# अनुग्रह की दैविक नदी

यह काल्पनिक कहानी दर्शाती है, कि कैसे शैतान लोगों से झूठ बोलता है तथा उन्हें परमेश्वर की प्रेममय उदारता के बहाव के प्रति अंधा बना देता है, तथा कैसे मसीह उनको मुक्त कर सकता है।

द्वारा
जार्ज पैटरसन एवं गालेन क्यूराह

नए मसीही समुदायों के नवशिक्ष अगुवों के लिये देखें तथा इसे और अन्य पौलुस तिमुथियुस अध्ययनों को निशुल्क **http:www.paul-timothy.net** से डाउनलोड करें

## अध्याय 1

## विक्टर तथा लोरी ने अनुग्रह की नदी कैसे पाई

विक्टर एक छोटे कस्बे से शहर में आया था, जहाँ उसने जल्द ही वेल्ड करना सीखा। उसे एक कार मरम्मत की छोटी सी दुकान में नौकरी मिल गई। नए मित्रों की खोज करते हुए, उसकी लोरी से मुलाकात हुई, जो हाल ही में शहर में आई थी।

उनकी मित्रता तेज़ी से विकसित हुई तथा उन्होंने विवाह कर लिया। लोरी ने अपने छोटे से सस्ते मकान को फूलों तथा अन्य चीज़ों से सजाकर खुशनुमा बना दिया था जो कि सिर्फ एक स्त्री ही कल्पना कर सकती थी, विशेषकर वह जो बहुत पढ़ती हो, जैसा लोरी करती थी। विक्टर चकित था। विक्टर ने उससे कहा, "तुम सिर्फ सुन्दर ही नहीं हो, लोरी; तुम सृजनात्मक भी हो। हर दिन तुम मुझे तुम्हारे तथा तुम्हारे जीवन के बारे में जानने के लिये कुछ आश्चर्यजनक रूप से नई चीज़ें देती है।" वो उसके लम्बे, चमकीले, काले बालों को सहलाते हुए कहता है, "मैं एक भाग्यशाली आदमी हूँ।"

उसने उसके शक्तिशाली, दृढ़ चेहरे की तरफ दृष्टि की तथा एक ऐसे आदमी को देखा जो कड़ी ज़िम्मेदारियों को बिना शिकायत किये हुए स्वीकार सकता था। "और तुम बहुत समझदार हो, विक्टर" उसने हल्के से उत्तर दिया। "तुम गहरी सोच वाले हो। जीवन हमारे लिये कभी भी उबाऊ नहीं होगा! तुम हमेशा. .. मैं कैसे कहूँ? तुम खोज बीन करने वाले व्यक्ति हो!"

एक साधारण संसार में अपने साधरण तरीके से सृजन तथा खोज करते हुए उनका जीवन एक दूसरे के साथ स्वर्ग था, जब तक कि एक शाम विक्टर एक विषादमय चेहरे के साथ घर पहुँचा। लोरी ने उसकी भावनाओं को एक नज़र में पहचानना सीख लिया था, जब कि कोई और नहीं पहचान पाता। "क्या परेशानी है?"

"मरम्मत की दुकान को अब वेल्डर को ज़रूरत नहीं है। मुझे कोई दूसरा मालिक देखना पड़ेगा।"

वो गहरी साँस लेते हुए एकदम से बैठ गई, तथा अपनी गोदी में अपने हाथों को बाँध लिया। "मैं आशा करती हूँ कि तुम यह जल्दी करोगे, क्योंकि हमारा परिवार अब बढ़ने को है। मुझे आज ही पता चला है कि हमारे एक शिशु होने वाला है!"

तीन सप्ताह बाद जब विक्टर घर पहुँचा तो उसने महसूस किया कि उसके चेहरे पर दुख के बादल और गहरे हो चले थे। "अब क्या हुआ?"

"किसी को अब वेल्डर की ज़रूरत नहीं है। हम अगले महीने का किराया नहीं दे सकते। मैं चिंतित हूँ।"

"मैं भी चिंता करती हूँ, कई चीज़ो के लिये," लोरी ने स्वीकारा। "कभी कभी मुझे लगता है कि परमेश्वर मुझे बुरे कर्मो का दंड दे रहा है।"

"मैं भी अक्सर यही सोचता हूँ," विक्टर उत्तर देता है। "मुझे मेरे चचेरे भाई ने बताया है कि मित्र आज रात एक हिन्दू स्वामी से मिलकर ध्यान लगायेंगे। हमें भी प्रयास करें। हमने किसी भी धर्म का अच्छी तरह अभ्यास नहीं किया।"

"यह अच्छा प्रतीत होता है, विक्टर। मैं अपने जीवन में गहरा मतलब जावना चाहती हूँ। मेरा मतलब हमारे जीवन में। मैं प्रयोग करने को तैयार हूँ।"

"ठीक है, फिर मैं तुम्हें वहाँ मिलूगाँ, "विक्टर सुझाव देता है। "पहले मैं अपने मकान मालिक से मिलने जा रहा हूँ। वो वहीं पास में रहता है। मैं उसको हमारे किराया देने के लिये कुछ प्रतीक्षा करने को कहूँगा। यह पता है, जहाँ वो लोग स्वामी से मिलेंगे। मुझे पहुँचने में थोड़ी देर हो सकती है।"

जो पता विक्टर ने लोरी को दिया था, वो अस्पष्ट था तथा वो गलत घर पर पहुँच गई। "क्या यह ध्यान लगाने की सभा हैं?" उसने दरवाज़े पर पूछा।

"ध्यान? ओह! मेरा शायद है। तुम जल्दी आ गई।" लोरी की उम्र की एक महिला ने उसका स्वागत किया। "अन्दर आओ। मेरा नाम जूली है। मेरे पति, टीनो, समूह का मार्गदर्शन करते हैं। आज रात विचार विमर्श को अगुवाई करने को उसकी बारी है। कृपया, चाय लो!"

अन्य लोग भी जल्द ही आ गए; कुछ बाईबल लिये हुए थे। लोरी उनको यीशु मसीह के नाम में एक दूसरे के लिये प्रार्थना करते हुए सुनकर हैरान थी। एक अधेड़ उम्र की महिला ने बताया, कि कैसे उसने यीशु के प्रेम को जाना। "मेरे पास क्षमा के लिए बहुत पाप था। मैं नहीं जानती थी कि परमेश्वर का अनुग्रह मेरी हर बुराई को ढंक देगा; परन्तु....." वो पूरा नहीं कर पाई। वो प्रसन्नता से रो रही थी।

एक वृद्ध पुरूष ने शर्माते हुए शुरू किया, लोगो के मध्य बोलने में अनभ्यस्त, "कई सप्ताह तक आपने मेरे लिये प्रार्थना की। आपने परमेश्वर से मेरे श्वासावरोध को चंगा करने की भीख माँगी। उसने ऐसा कर दिया है। डाक्टर ने पूछा कि मैंने कौन सी नई दवाई ली हैं। मैं कहा वो प्रार्थना थी। सिर्फ प्रार्थना यीशु का नाम लेते हुए।" डाक्टर ने कहा, "वैसा ही हुआ होगा। कोई और चीज़ जिसे मैं जानता हूँ इस तरह से पूर्ण चंगा नहीं कर सकती थी।"

"प्रभु की प्रशंसा करो!" जूली ऐसे सहज रूप से चिल्लाई कि लोरी चकित रह गई, जो कि उसकी बगल में बैठी थी।

एक युवा पुरूष ने अपना अनुभव बताया, "आप जानते हैं मैं कितना दुखी था, अवैध दवाईयों की लत से। परन्तु हमारे प्रभु यीशु मसीह ने मुझे मुक्त किया।"

उन्होंने दुबारा से प्रभु की प्रशंसा की। टीनो ने युवा पुरूष से वादा किया, "हम तुम्हारी परमेश्वर के अनुग्रह में बढ़ने में सहायता करेंगे"

लोरी ने जूली से धीमे से कहा, "मैं आशा करती हूँ कि कोई मुझे बोलने के लिये नहीं कहेगा। यह मेरे लिये नई बात है।"

"तुम जब बोलना चाहो, तभी बोलना लोरी।"

जूली का पति टीनो, विद्वान किस्म का लगता था। वो मोटे शीशे का चश्मा पहनता था तथा एक युवा प्राध्यापक जैसा लगता था। उसकी मूँछे सफाई से छँटी थी तथा वो दृढ़ साफ आवाज़ में आत्मविश्वास से बोलता था! "मैं सोचती हूँ मैं इस आदमी पर भरोसा कर सकती हूँ," लोरी ने सोचा जब वो उसके हँसमुख चहरे को पढ़ रही थी।

टीनो समूह से कहता है, "हम बाईबल में से पढ़ें, कि परमेश्वर अनुग्रह के विषय में क्या कहता है। कृपया रोमियों अध्याय 5 देखें। जूली लोरी के हाथ में एक बाईबल देती है, परन्तु वह रोमियों की पुस्तक नहीं ढूँढ़ सकी। "मुझे अपनी सहायता करने दो, जूली धीमे से बोली। लोरी ने ध्यान दिया, कि कैसे जूली हर व्यक्ति के पास चुपचाप तथा दक्षतापूर्ण तरीके से मिली तथा उनका अभिवादन किया, उनकी तथा उनके परिवारों के स्वास्थ्य के बारे में पूछते हुए तथा चाय देते हुए। वो हँसने में तेज़ थी, एक आत्मविश्वासी व्यक्ति, जो अपने आगन्तुकों को आराम महसूस कराती थी।

जो युवा पुरूष दवाईयों की लत से मुक्त हुआ था, वो गहरी भावना से पढ़ता हैं, "जहाँ पाप बहुत हुआ, वहाँ अनुग्रह उससे भी कहीं अधिक हुआ, कि जैसा पाप ने मृत्यु फैलाते हुए राज्य किया, वैसा ही हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अनुग्रह भी अनन्त जीवन के लिये धर्मी ठहराते हुए राज्य करे।"

टीनो समूह से पूछता है, "यह बात परमेश्वर के बारे में हमको क्या बताती है?

कुछ देर के लिये परमेश्वर के अनन्त अनुग्रह के बारे में बात करते हैं, तथा फिर बारी बारी से उस विषय के बारे में पद पढ़ने लगते हैं, जिसे टीनो ने "अनुग्रह की नदी" कहा।

एक वृद्ध महिला ने शुरू किया। वो पुराने कपड़े पहने हुए थी तथा काफी निर्धन लग रही थी।

"यशायाह 55:1 वादा करता है, 'अहो सब प्यासे लोगों, पानी के पास आओ; और जिनके पास रूपया ना हो, तुम भी आकर मोल लो और खाओ!' मुझे यह वादा बहुत अच्छा लगता है।"

जिस पुरूष ने चंगाई पाई थी, वो धीरे से भजन संहिता 36:8-9 पढ़ता है, 'वे तेरे भवन के चिकने भोजन से तृप्त होगें, और तू अपनी सुख की नदी में से उन्हें पिलायेगा, क्योंकि जीवन का सोता तेरे ही पास है।'

लोरी ने किसी चीज़ को उसके हृदय में गहराई तक हिलाते हुए महसूस किया, हर बार जब भी कोई बाईबल में भिन्न पुस्तक में से पढ़ता था। करीब दस साल के एक बालक ने शर्माते हुए प्रकाशितवाक्य 22:1, अपनी स्मरणशक्ति के द्वारा उद्धृत किया: "फिर उसने मुझे बिल्लौर की सी झलकती हुई, जीवन के जल की एक नदी दिखाई, जो परमेश्वर और मेमने के सिंहासन से निकलकर, उस नगर की सड़क के बीचों बीच बहती थी, और नदी के इस पार, और उस पार, जीवन का पेड़ था, उसमें बारह प्रकार के फल लगते थे, और वह हर महीने फलता था, और उस पेड़ के पत्तों से जाति जाति के लोग चंगे होते थे।"

एकदम से एक महिला जो कि एक असामान्य चमकदार रंग का परिधान पहने थी, खड़ी हुई और चुपचाप चली गई। उसने सभा के दौरान बात नहीं करी थी। ना ही उसके चेहरे ने कोई भाव दिखाया था। फिर अधेड़ उम्र की महिला ने, जिसने परमेश्वर की क्षमा की प्रशंसा की थी, प्रसन्नता की घंटी बजाती हुई आवाज़ से यूहन्ना 7:37-38 पढ़ा, "यीशु खड़ा हुआ और पुकार कर कहा, 'यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आकर पीए। जो मुझपर विश्वास करेगा, जैसा पवित्र शास्त्र में आया है, उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां वह निकलेगी!'"

फिर वो दो या तीन लोगों के समूह में बैठकर बाते करने लगे। कुछ लोग प्रार्थना कर रहे थे। जूली ने लोरी से पूछा, "क्या तुमने समझा कि समूह किस विषय में बात कर रहा था?

"पूरी तरह से नहीं। मैंने पहले कभी अनुग्रह की नदी के बारे में कुछ नहीं सुना। यह विचार मुझे अच्छा लगा।"

सभा का औपचारिक भाग खत्म हो चुका था परन्तु कोई गया नहीं। कुछ लोग खड़े होकर बातें कर रहे थे जब कि कुछ छोटे समूहों में बैठे रहे, आहिस्ता से बातें करते हुए। जूली ने अपने पति को सुझाव दिया, "टीनो, कृपया क्या तुम हमें समझा सकते हो, कि अनुग्रह की नदी से तुम्हारा क्या तात्पर्य है?"

"खुशी से!" वो लोरी के सामने बैठा तथा क्षण भर को झिझका। वो यह निश्चय करता प्रतीत हुआ कि कैसे समझाये। फिर एकदम से उसके चहरे पर एक चौड़ी मुस्कान फैली। "अनुग्रह मेरा पसंदीदा विषय है! परमेश्वर का अनुग्रह उसकी अनअर्जित कृपा है, उसका सिद्ध प्रेम तथा असीमित उदारता। हम कभी भी उसके योग्य नहीं है। हम उसके अनुग्रह को सिर्फ विश्वास के द्वारा प्राप्त करते हैं जब यीशु मसीह हमें हमारे पापों से बचाता है, पृथ्वी पर हमारे बचे हुए सारे जीवन के लिये तथा अनंतकाल तक के लिये। मैंने उसे एक नदी कहा क्योंकि बाईबल कहती है, "जहाँ पाप बहुत हुआ, अनुग्रह उससे भी कहीं अधिक हुआ।" तथा बाईबल के अन्य अनुच्छेद भी लाक्षणिक रूप से चंगाई के पानी की एक विशाल नदी जो स्वर्ग में परमेश्वर के सिहांसन से बहती है, कहते हैं।

"हम उसको कहाँ पाते हैं?" लोरी ने पूछा।

"हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह पर अपनी क्षमा के लिये भरोसा करो। पिता परमेश्वर के द्वारा पवित्र आत्मा बहाता है जो उनके लिये अनन्त जीवन लाता है जो विश्वास करते हैं। लोरी, उसने तुमको नई शुद्ध अनन्त तथा सदा का जीवन देने का वादा किया है। वो मुफ्त है। परमेश्वर का अद्भुत वरदान बाईबल में यूहन्ना 14:16-17 में उल्लेखित है कि प्रभु यीशु स्वर्ग में अपने पिता से प्रार्थना करता है, एक सर्व शक्तिमान परमेश्वर से, तथा हमारे पास उसका पवित्र आत्मा भेजने की विनती करता है। वो ही वो नदी है जो परमेश्वर का अनुग्रह हमारे तक लाती है!"

"मैंने उसके बारे में कभी नहीं सुना," लोरी ने स्वीकारा। "मैंने सिर्फ इतना सुना था कि परमेश्वर हमारे पापों तथा अच्छे कर्मों के अनुरूप हमारा न्याय करेगा। मैं हैरान हूँ कि क्यों मेरे माता पिता तथा शिक्षकों ने कभी मुझे अनुग्रह जैसी उत्कृष्ट चीज़ के बारे में नहीं बताया।"

"बाईबल दर्शाती है कि शैतान, हमारा परमशत्रु लोगों को आत्मिक रूप से अंधा कर देता है," टीनो ने समझाया। "शैतान हमारे ध्यान को अनुग्रह के उदारतापूर्ण बहाव से प्रलोभनों द्वारा दूर कर देता है। परमेश्वर, अपने अंतहीन ज्ञान में जिसे कोई मानव नहीं समझ सकता, शैतान को यह करने देता है। वो शैतान को हमसे झूठ बोलकर हमारे विश्वास की परीक्षा लेने देता है। हमें शैतान का विरोध करना चाहिये, तथा परमेश्वर के अनुग्रह को अपने जीवन में बहने देना चाहिये। कुछ लोग शैतान के झूठ पर भरोसा करने की इच्छा रखते हैं, क्योंकि वो अपने जीवन को खुद नियंत्रित करना चाहते हैं तथा परमेश्वर को अपने हृदयों में प्रवेश नहीं करने देते वो नहीं चाहते कि परमेश्वर का आत्मा उन्हें विश्वास दे। मैं आशा करता हूँ कि तुम हमारी तुमको परमेश्वर का प्रेम खोजने देने में सहायता करोगी, जो हम प्राप्त करते हैं जब हम अपने उद्धारकती यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं।"

लोरी ने जूली से पूछा, "क्या यह तुम्हारा ध्यान मनन है, जो इस शाम को यहाँ पर तुमने किया था? क्या तुम्हारे पति टीनो एक देवीय स्वामी है?"

"अरे नहीं! स्वामी का संगठन सड़क के उस पार मिलता है। वो तथा उसके अनुयायी मारीजुआना के आदी है या अब कुछ और अधिक बुरा नशा करते होगें। हमारा मसीही घरेलू संगठन है, एक समूह, एक छोटा चर्च। क्या तुम यहाँ पर गलती से आ गई हो?"

"यह सबसे भाग्यशाली भूल है जो मैंने कभी करी है। मैंने कभी भी इतना उल्लास तथा प्रेम नहीं देखा।"

## अध्याय 2

## विक्टर तथा लोरी ने अनन्त उद्धार का आश्वासन कैसे प्राप्त किया

घर लौटकर लोरी ने विक्टर को परमेश्वर के अनुग्रह की आकृष्ट नदी के बारे में समझाने की चेष्टा करी। "वो बहुत बड़ी है। उस स्वामी ने, मेरा मतलब मसीही गुरू या जो कुछ भी वो उसे बुलाते हैं, कहा था कि यह अनुग्रह की विशाल नदी अमेज़न, नील तथा गंगा के संयुक्त रूप से भी चौड़ी है। वो स्वर्ग में परमेश्वर के सिहासन से लगातार बहती है।"

"तुम्हारा क्या तात्पर्य है?" विक्टर ने पूछा। "पृथ्वी पर ऐसी कोई नदी नहीं है!"

"उनका अगुआ, टीनो, कहता था कि अनुग्रह को नदी इतने पास बहती है कि हम किसी भी क्षण उसमें से पी सकते हैं; क्योंकि परमेश्वर का आत्मा हमारे इतने पास है जैसे हमारी साँस ली हुई हवा।"

"क्या वो मसीही है?"

"उन्होंने कहा कि वो यीशु मसीह से प्रेम करते हैं। उन्होंने उसके बारे में काफी बाते करी। मेज़बान टीनो ने कहा कि जब हमारा परमेश्वर में विश्वास कमज़ोर हो जाता है तब हम शैतान के झूठों को सुनते हैं तथा जीवन के जल को अनदेखा करते हैं। हमारे अंत: करण प्यासे हो जाते हैं। हमारी आत्माएं प्यासी हो जाती है। उसने यह भी कहा कि जब हम परमेश्वर के अनुग्रह पर शक करते हैं, हम विधिवादी हो जाते हैं।"

"रूको! तुमने मुझे पीछे छोड़ दिया। "विक्टर कहता है। "तुमने सभा में क्या पिया था? क्या तुमने नशीली दवाईयों का प्रयोग किया? जब उन्होंने विधिवादी कहा तो उनका क्या तात्पर्य था?"

"इतने सारे प्रश्न! मैं सोचती हूँ कि उनका मतलब था कि हम महत्वहीन धार्मिक नियमों का अभ्यास

करते हुए अपने आप को पवित्र बनाने की कोशिश करते हैं। हम अनुग्रह की नदी के सामने से हट जाते हैं तथा दूसरों को भी स्वतन्त्रता से नहीं ग्रहण करने देते। हम मानवीय रिवाज़ों तथा धार्मिक कार्यों को अपने हृदयों में परमेश्वर के कार्मों की जगह प्रतिस्थापित कर देते हैं।"

"क्या उन्होंने तेज़ सुगंध जलाई थी? डरावने चित्रों से सजाया था? विचित्र इलक्ट्रोनिक उपकरण प्रयोग किये थे?"

"अरे नहीं! वैसा नहीं था, विक्टर। उन्हेंने कहा कि अनुग्रह प्रेम, उल्लास तथा क्षमा लाता है। वो परमेश्वर से, लोगों में से बहता है ना कि इलैक्ट्रोनिक उपकरणों, सुन्दर भवनों, सुगंधित धुप या रहस्यमयी लगने वाली स्तुतियों से।"

सप्ताह में टीनो तथा जूली ने विक्टर तथा लोरी से भेंट करी। टीनो ने विक्टर से पूछा, "क्या हम तुम्हें सुसमाचार सुनायें, मसीह की मृत्यु तथा पुनरूत्थान की सच्ची कहानी? यीशु उन सबसे अनन्त जीवन का वादा करता है जो परमेश्वर की ओर आते हैं तथा उसपर भरोसा करते हैं।"

"कृपया ऐसा करे। बैठ जायें। लोरी चाय ले आओ।"

टीनो ने लूका 24:46-48 में से पढ़ा तथा उसका संक्षेपण किया। "परमेश्वर हर जाति के लोगों को क्षमा करता है, जब वो परमेश्वर की ओर मुड़ते हैं तथा यीशु की मृत्यु तथा पुनरूत्थान का सुसमाचार प्राप्त करते हैं जिसके द्वारा उसने हमारे पापो से हमें मुक्त किया तथा अनन्त जीवन दिया।"

"यह सत्य होने के लिये बहुत अच्छा प्रतीत होता है," विक्टर तर्कसम्मत हुआ। उसने उसके बारे में कई प्रश्न पूछे।

टीनो और जूली ने लौटने से पहले विक्टर तथा लोरी को अगली शाम को टीनो के घर में होने वाली सभा में आंमत्रित किया। उस सभा में इश्मायल ने, जो कि एक वृद्ध था तथा टीनो के छोटे से समूह का मार्गदर्शन करने में सहायता करता था, टीनो को बताया, "मैंने सुना है कि तुम एक वेल्डर हो। मेरी एक छोटी सा धातु के काम की दुकान है, तथा मुझे एक वेल्डर की आवश्यकता है।"

अगले दिन से विक्टर इश्माएल की दुकान में कार्य करने लगा। उसने उस रात लोरी को कस के आलिंगन बद्ध करते हुए उससे पूछा, "क्या तुम सोचती हो, कि हम मसीहियों की तरह प्रार्थना करें, तथा अपने नये काम के लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें?"

"यह मेरा पहला अवसर होगा, जब मैं अपने शब्दों में प्रार्थना करूँगी, जैसे हमारे नए मित्र करते हैं।"

अगली सभा में विक्टर तथा लोरी ने यीशु से प्रार्थना करी, एक मात्र सर्व शक्तिशाली परमेश्वर के पवित्र पुत्र से तथा उनके पापों से उनको बचाने के लिये कहा। कई विश्वासी बात करने के लिये ठहर गए थे। लोरी ने उनसे बताया, "मैं कितनी राहत महसूस कर रही हूँ।"

"अब जबकि तुमने पश्चाताप किया तथा हमारे प्रभु यीशु मसीह पर भरोसा किया है," टीनो ने प्रेरित किया, "तुम्हें बपतिस्मा ले लेना चाहिये।"

"रूको टीनो!" दुकान मालिक इश्मायल बहस करता है। "अपने परिवर्तन को निश्चित करने के लिये पहले उनको अपने जीवन सीधे करने होंगे। सब कुछ! विक्टर मेरे यहाँ वेल्डिंग करता है तथा जब उपकरण खराब हो जाते हैं, तो वो कभी कभी अश्लील भाषा का प्रयोग करता है। लोरी, तुम्हें भी एक मसीही की तरह पहनावा पहनना सीखना चाहिये। तुम बहुत सौन्दर्य प्रसाधनों का प्रयोग करती हो। विक्टर तुम्हें धूम्रपान छोड़ना चाहिये। तुम दोनों को कम से कम एक साल तक प्रतीक्षा करनी चाहिये तथा हमारे सारे सिद्धांतों को सीखना चाहिये। तब अगर तुम उस बीच में पाप में नहीं पड़े तो, हम तुम्हारा बपतिस्मा कर सकते हैं।

लोरी उसे बताना चाहती थी कि वो अन्यायपूर्ण हो रहा है, परन्तु वो इस दृढ़ निश्चयी पुरूष से भिड़ने से डरती थी। इश्माएल का चौड़ा सीना था, माँसपेशीय बाँहे तथा ताकतवर हाथ थे। उसके चेहरे से दृढ़ता

झलकती थी। वो कभी मुस्कुराता नहीं था।

"इश्माएल!" टीनो ने आपत्ति करी, "यह वो तरीका नहीं है जिससे प्रेरितों ने नए विश्वासियों के विश्वास को निश्चित किया था।"

इश्माएल ने कोई ध्यान नहीं दिया। उसने विक्टर को एक कागज़ पकड़ाया। "ये कुछ नियम हैं जो कि मैंने नए विश्वासियों को पालन करने के लिये सूचीबद्ध किये हैं, हमारे संगठन के आधिकारिक सदस्य बनने के लिये। सब नए सदस्यों को सबसे पहले अवैध दवाईयाँ, शराब व्यभिचार ताश, सभी प्रकार के नृत्य, धूम्रपान, बुरी भाषा तथा सांसारिक संगीत तथा इस सूची में की अन्य सारी चाज़ों को छोड़ना पड़ेगा। तुम्हें हर सप्ताह व्रत रखना पड़ेगा तथा प्रतिदिन दो घंटे प्रार्थना में बिताने होगें। तुम्हें हमें यह प्रमाणित करना होगा।, कि तुम बिल्कुल पवित्र जीवन जीते हो!"

जूली ने लोरी के कान में फुसफुसाया, "मुझे खेद हैं, कि इश्माएल ने अपना व्यवहार गलत स्रोत से पाया है। उसके अतर्कशील नियम शैतान के उस हथियार का परिणाम है, जो लोगों को परमेश्वर के अनुग्रह की प्रशंसा से दूर रखता है। एक जलता हुआ तीर जिसपर "विधिवाद" लिखा है।"

इश्माएल ने जूली को फुसफुसाते हुए देखा तथा उसकी आवाज़ और तेज़ तथा क्रोधपूर्ण हो गई। हम को परमेश्वर के अनुग्रह के साथ सर्तक रहना चाहिये! हम इतनी जल्दी नहीं कर सकते, जैसा टीनो हम से कराना चाहता है। जब एक पापी मसीही बनता है, उसको धार्मिक बनकर तथा इस सूची में के सारे पापों को त्यागकर हमारी स्वीकृति अर्जित करनी चाहिये।"

लोरी ने उस सूची को पढ़ना शुरू करा, जो इश्माएल ने विक्टर को पकड़ाई थी। इश्माएल ने उसे बताया, "तुम्हें विश्वास के हमारे सारे सिद्धांत भी सीखने होंगे। मेरे पास उन्यासी सिद्धान्तों की एक और सूची है जो कि तुम्हें अधिकारिक सदस्य बनने से पहले सीखनी होगी।"

लोरी ने सूची विक्टर के हाथ में दी, तथा धीरे से उसे बताया, "मैं इस सूची के सारे विषयों को कभी भी याद नहीं रख सकती।"

विक्टर ने इश्माएल को सूची वापस पकड़ाई। "यह हमें इस समूह से बाहर रखता है! यह हमारे लिये बहुत ज़्यादा है। मुझे खेद है।"

टीनो ने सुना जो विक्टर ने कहा तथा इश्मायल को नम्रतापूर्ण डाँटा, "तुम नए विश्वासियों के साथ ज़्यादती कर रहे हो! परमेश्वर की दृष्टि में ये नवजात आत्मिक शिशु हैं, और तुम उनसे वो करने की माँग कर रहें हो, जो कि बहुत कम परिपक्व मसीही प्राप्त करने में सफल होते हैं। अगर हम उन्हें स्वीकारने में विलम्ब करते हैं, तो हम उन्हें हतोत्साहित कर देगें, जब तक कि वे सारे सिद्धांत सीखें तथा प्रमाणित करें, कि वे हर तरह से सिद्ध हैं। तुम्हारी निषेध आज्ञाओं की सूची तुम्हारी स्वंय की राय हैं, धर्मग्रन्थ की नहीं। विक्टर तथा लोरी को परमेश्वर के अनुग्रह का आवश्वासन निश्चय की आवश्यकता है।" टीनो प्रेरितों के काम की पुस्तक में से उनके लिये पढ़ता है, कि कैसे नए पश्चातापी विश्वासियों को बिना विलम्ब किये बपतिस्मा दिया गया, उनके उद्धार को निश्चित करने के लिये।

इश्माएल ने कुछ देर ते सुना फिर बड़बड़ाया, "उस प्राचीन समय में चीज़े भिन्न थी।"

इश्माएल, "टीनो ने याचना करी। "क्या तुम भूल रहे हो कि विक्टर तथा लोरी यीशु में "शिशु" विश्वासी हैं? वे आत्मिक बालक है। नवजात! जब तुम पैदा हुए होगे, तो तुम्हारी माता ने तुम्हें ठंड तथा बारिश में दरवाज़े में बाहर नहीं छोड़ दिया होगा, जब तक तुमने अपने लंगोट को गन्दा करना बन्द नहीं करा होगा। उसी तरह हमें नवजात परिवर्तितों को चर्च समूह की गरमाई में तुरन्त लाना चाहये, जैसा कि प्रेरित हमेशा करते थे। प्रेरित उन्हें कभी प्रतीक्षा नहीं करने देते थे। प्रेरितों ने बुरे लोगों को स्वीकार करा जो यीशु पर भरोसा करते थे, तथा उन्होंने उन्हें बिना विलम्ब किये बपतिस्मा दिया। यहूदियों, जो परमेश्वर के बारे मे पहले से जानते थे,

तथा गैर यहूदियों, जो कि उसके बारे में पहली बार सीख रहे थे, दोनों ने तुरन्त बपतिस्मा पाया। बपतिस्मा लेना, विश्वासियों के रूप में पहला कार्य था जो वे करते थे।"

उसी सप्ताह बाद में पौल ने उस जोड़े को बपतिस्मा दिया। उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई परन्तु इश्माएल की बातों से असमंजसता का अहसास हुआ। अगली सभा में आराधना शुरू होने से पहले पौल लोरी तया विक्टर को समूह के सामने नए सदस्यों के रूप में प्रस्तुत करना चाहता था, परन्तु इश्माएल ने टोका, "मेरी बात सुनो" वो दृढ़ता से बोला। "हम लोगों को अपने संगठन में आधिकारिक रूप से नहीं स्वीकार कर सकते जबकि उनके जीवन में अभी तक पाप है!"

"प्रेरितों ने उन्हें स्वीकार था, इश्माएल, "टीनो ने संशोधन किया, अपनी आवाज़ को सौम्य तथा मधुर रखते हुए। "प्रेरितों ने हमें नए विश्वासियों के ऊपर बिना दोष लगाये उनके पापों को सुधारना दिखाया था। पौलुस प्रेरित ने-कुरिन्थियों में, बिना विश्वासियो की आत्मा पर दोष लगाये, बड़े से बड़े पापों को सुधारा था। उसने कृपालुता से दोषयुक्त विश्वासियों को, परमेश्वर के अनुग्रह के कारण उसके लेपालक पुत्र होने की स्थिति का स्मरण कराया था, फिर उसने उनसे अनुरोध करा, जिसकी वजह कि क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र के रूप में यीशु के साथ उत्तराधिकारी बने थे, वे अधर्मियों की तरह जीना बन्द करें। इसलिये....."

"तुम परमेश्वर के राज्य में प्रवेश को बहुत आसान बनाते हो।" इश्माएल टोकता है। "मसीही बनना एक गंभीर विषय है। उदाहरण के लिये पुराना नियम आदेश करता था, कि सबत के दिन कार्य करने वालों को हमें पत्थरवाह करना चाहिये।"

"इश्माएल, कृपया मुझे समझाना खत्म करने दो," टीनो ने विनती करी। "नए मसीहियों में दोष होते हैं; कुछ दोष दूसरों से ज़्यादा स्पष्ट तथा सार्वजनिक होते हैं। इसीलिये परमेश्वर ने उसकी कलीसियाओं के लिये चरवाहे दिये। नए नियम में बपतिस्मा बुरे लोगों के लिये था। विक्टर तथा लोरी इसके योग्य हुए क्योंकि उन्होंने पश्चातापी हृदयों से परमेश्वर के सामने अपने पापों को स्वीकार किया है।"

"तुम चर्च का दर्जा घटा रहे हो! इश्माएल ने उग्रतापूर्वक शिकायत करी।

"तुम परमेश्वर के अनुग्रह का दर्जा घटा रहे हो," टीनो ने दृढ़ता से उत्तर दिया। जब धर्मिक लोगों ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को उन्हें बपतिस्मा देने को कहा, क्योंकि वे सोचते थे कि वे अच्छे (भले) हैं, उसने उन्हे "सांप" कहा तथा वैसा करने से मना कर दिया। परन्तु जिन्होंने अपने पापकर्मो को स्वीकारा उसने उन्हे तुरन्त बपतिस्तमा दिया। प्रेरितो ने उन सब को बपतिस्मा दिया जिन्होंने पश्चाताप तथा विश्वास दिखाया तथा फिर उन्हें शिक्षा दी। वे उनकी बुरी आदतों से बाद में व्यवहार करते थे, मसीहीयत में, जहाँ पर पवित्र आत्मा सक्रिय रहता है, तथा उन्हें स्नेह युक्त याजकीय देखभाल देते थे। हमें बपतिस्मे के लिये विधिवादी माँगे नहीं बनानी चाहिये।"

"परन्तु जब से चीज़े बदल गई हैं! "इश्मायल दोहराता है।

"बिल्कुल" टीनो ने स्पष्ट किया। समाज बदल गया है। तकनीक बदल गई हैं, परन्तु वे सिर्फ भौतिक चीज़ों से ही व्यवहार करती हैं। बपतिस्मे से संबंधित आत्मिक सत्य अपरिवर्तनीए है। पाप हमेशा पाप है। अनुग्रह हमेशा से अनुग्रह है। यीशु हमेशा से वैसा ही है। परमेश्वर के नवजात मेम्नों के लिये अनुग्रह स्वतन्त्रता पूवर्क लाने का दायित्व कभी नहीं बदला। विक्टर और लोरी को अनुग्रह की आज उतनी ही आवश्यकता है, जितनी शाऊल को दमिश्क जाते समय थी।"

इश्माएल ने युवा जोड़े की ओर देखा "मैं परवाह नहीं करता जो टीनो कहता है। तुम मेरे लिए काम करो, विक्टर। तुम वैसा करोगे जैसा मैं कहूँगा।"

"वो यीशु को मानेगें।" टीनो ने ज़ोर देकर कहा। "इश्माएल, कृपया सुनो। हम नए विश्वासियो से वो करने को कहते हैं, जो यीशु ने करने को कहा था। वो यीशु को प्रेम से मानेगे, हमारी धमकियों से नहीं

हमको कोई अधिकार नहीं है कि हम उनको वे चीज़ें करने के लिए कहें जो कि उन चीज़ो से भिन्न हैं, जो प्रेरितों ने नए विश्वासियों से कही थीं। इश्माएल, क्या तुम यह पसंद करते हो, कि वे यीशु के बजाए तुम्हारी बात मानें? क्या तुम यह चाहते हो, कि वो यीशु के बजाए तुम्हारा अनुकरण करें तथा यीशु और उसके प्रेरितों की आज्ञाओं की जगह तुम्हारे नियमों को मानें?

इश्माएल ने कहा, "मैं एक अतिथि का परिचय कराना चाहूँगा।" परिचर्चा के क्षण भर बाद एक पुरुष ने कमरे में प्रवेश किया था। विक्टर और लोरी ने उस पुरूष को पहले नहीं देखा था। इश्माएल ने घोषणा करी "आर्थर एक असामान्य जोशीली आध्यात्मिकता वाला इन्सान है। जब हम सो रहे होते हैं, तो रात को यह टैक्सी चलाता है। दिन में यह प्रभु की सेवा करता है। इसलिये मैं नहीं जानता कि यह सोता कब है।"

अन्यों ने आर्थर का स्वागत किया, फिर इश्माएल ने उससे पूछा, "जो हम बातें कर रहे थे, उसके बारे में तुम क्या क्या सोचते हो, आर्थर?

"तुम्हारा सप्ताह में एक बार व्रत रखने के विषय में कहना मुझे पसंद आया। मेरे पास और चीज़ें हैं जो कि मैं तुम्हारी सूची में जोड़ना चाहूँगा। जो समूह कड़े नियमों का पालन करता है, वो ज़्यादा अध्यात्मिक होता है! हाँ! यह निश्चित करो कि नए सदस्य गंभीर है!"

टीनो ने विनती करी, "इश्माएल और आर्थर, तुम्हारी इतने सारे नियमों को थोपने की इच्छा हमें पुराने नियम के कानूनों की तरफ ले जायेगी।" उसने विक्टर तथा लोरी के चिंतित चेहरों की ओर देखा तथा आगे बोला, "हमें इन चीज़ों पर अभी विचार नहीं करना चाहिये।"

आर्थर ने कोई ध्यान नही दिया तथा विक्टर को और बातें बताई, जो वो सोचता था कि एक "सच्चे" मसीही को करनी चाहिये। फिर आर्थर ने टीनों से पूछा, "पुराने नियम के कुछ कानूनों का पालन करने में क्या बुराई है?"

"बुराई यह है, कि तुम में पुराने नियम की मानसिकता है। उसके कानूनों के तहत, मनुष्य परमेश्वर की स्वीकृति अपने स्वंय के द्वारा किये गए कार्यों से करने का प्रयास करते थे। नई वाचा जिस पर मसीह ने अपने लहू से मोहर लगाई, उसमे मनुष्य अनुग्रह विश्वास के द्वारा अर्जितकरता है। परमेश्वर अनुग्रह के द्वारा हमें अपने हाथों में रखता है, जीवित मसीह के द्वारा, ना कि हमारे अपने प्रयासों से। इफिसियों का अध्याय। नए विश्वासियों, जैसे विक्टर और लोरी को आवश्स्त करता है, कि वे भी दया, प्रेम तथा शांति की प्रचुरता का आनंद ले सकेगें।"

"हाँ, बिल्कुल। मैं अपने सारे सदस्यों से उनको उनकी आय के दसवें हिस्से से अधिक देने की माँग रखता हूँ। उनको परमेश्वर परमेश्वर के कार्यों में सहायता करनी पड़ेगी। देखो, हम उनके धन के द्वारा क्या कर सकते हैं। मेरे समूह ने एक सुन्दर कीमती वेदी खरीदी है। हाँ! हम ऐसी चीज़ों को अब ले सकते हैं। मैंने सारे विश्वासियों को ज़्यादा देने दिया। हाँ! हाँ! उनको यह प्रमाणित करने के लिये कि उनके पास परमेश्वर है।"

लोरी ने धीमे से विक्टर के कान में फुसफुसाया, "आर्थर की आँखें मुझे उल्लू की आँखों की याद दिलाती हैं।"

टैक्सी चालक तेज़ी से बोलता जा रहा था, रूकता था तो सिर्फ वाक्यों के बीच में अपने होठों को गीला करने के लिये। उसके शब्द मशीन गन के धमाकों की तरह बाहर आते थे। वो जल्दी जल्दी इधर से इधर तक देखता था, जैसे कि सब को एक बार मे ही देखने की चेष्टा कर रहा हो या किसी पीछा करने वाले से बचने की कोशिश कर रहा हो। और जब वो किसी व्यक्ति से बात करता था तो एक मूर्ति की तरह आगे झुकता था तथा उसकी आँखों में बिना पलके झपकाये इस तरह से घूरता था जैसे कोई बाघ झपट्टा मारने जा रहा हो।

सारे समूह में परिचर्चा के बाद उन्होंने यह बातें करने के लिये छोटे समूह बनाये कि उन्होंने क्या सीखा, तथा कार्यों को नियोजित तथा एक दूसरे के लिये प्रार्थना करने के लिये। टीनो, विक्टर तथा लोरी के साथ बैठा। विक्टर ने उससे पूछा, "क्या तुम्हारा यह मतलब था कि हमें वे सारी चीज़े नहीं करनी हैं जो इश्माएल और आर्थर ने कहीं, परमेश्वर की स्वीकृति जीतने के लिये?

"विक्टर, जब हम अच्छे कार्य करते है तो परमेश्वर सदा प्रसन्न होता है। जो अच्छे काम तुम अब करोगे; उनके लिये वो तुम्हें स्वर्ग में पुरस्कृत करेगा। परन्तु हमारे अच्छे कार्य हमें मुक्ति नहीं दिलाते। सिर्फ मसीह हमें मुक्ति दिला सकता है, जो कि वो हमें उसकी मृत्यु तथा पुनरूत्थान में विश्वास के साथ हिस्सेदारी करने देने में करता है। परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिये अच्छे कार्य अत्याशक है, परन्तु सिर्फ परमेश्वर के उद्धार के परिणामस्वरूप तथा उसकी रूपांतरित करने वाली शक्ति का हमारे में कार्य करने के लिये।"

अगले दिन टीनों विक्टर तथा लोरी से मिला तथा उन्हें बताया, "मुझे खेद है कि कल तुम्हें हमको परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में बहस करते हुए सुनना पड़ा। परमेश्वर का वचन तुम्हें निश्चय दिलाता है, कि एकमात्र सर्वोच्च तथा पूर्ण पवित्र परमेश्वर ने तुम्हें क्षमा कर दिया है। तुमने उसपर भरोसा किया तथा उसने अपने बदलाव का कार्य तुमहारे में शुरू कर दिया है। वो तुमको अपने हाथों में सुरक्षित रख रहा है। तथा वो हमेशा के लिये ऐसा करेगा। यूहन्ना अध्याय 10 में यीशु ने ऐसा कहा है।"

विक्टर ने पुछा, "इश्माएल को यह विश्वास नहीं है, कि लोरी तथा मैंने परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त कर लिया है। अगर इश्माएल तथा आर्थर जैसे परिपक्व विश्वासी इसपर संदेह करते हैं, तो लोरी तथा मैं इससे कैसे विश्वस्त हों?"

"इसीलिए मैं तुमसे मिलने आया था। मैंने कल अपनी क्षेत्रीय कलीसियाओं के अन्य प्राचीनों से बात करी जो इस बात से सहमत हैं, कि मसीह के एक स्थानीय संगठन द्वारा बपतिस्मा तथा स्वीकारिता प्राप्त करने के लिये तुम से इतनी सारी मानवीय ज़रूरतों का पालन करने की माँग करना अनुचित है। परमेश्वर के अनुग्रह के आश्वासनों को देखने के लिए चलो हम साथ साथ रोमियों अध्याय 8 पढ़ते हैं। क्या तुम उसे पढ़ना पसंद करोगे?"

विक्टर ने रोमियों अध्याय 8 ज़ोर ज़ोर से पढ़ा । लोरी रोने लगी जब उसने पढ़ा कि परमेश्वर के अनन्त प्रेम से मसीह में विश्वासियों को अलग करना असंभव है।

"यह पुन: आश्वस्त करना है!" विक्टर बोला जब उसने समाप्त किया। " हम दोनो उस बात से हतोत्साहित हुए, जो इश्माएल और आर्थर ने कहीं। वो पेट में घूँसा मारने जैसी थी। हमने अपने आपको इतनी जल्दी कैसे संदेह करने दिया?"

"तुम्हें शैतान के जलते हुए तीरों में से एक से चोट पहुँचाई गई," टीनो ने कहा।

लोरी ने याद किया, "जूली ने कहा था कि तीर पर "विधिवाद" लिखा था। वो दुखदाई था! क्या कोई सुरक्षा नहीं है, टीनो?"

"सर्वशक्तिमान सुरक्षा उपलब्ध कराता है। हमें शैतान के सारे जलते हुए तीरों को रोकने के लिये दृढ़ता से विश्वास की ढाल पकड़े रहनी चाहिये; जैसा कि परमेश्वर का वचन हमें निर्देश देता है।"

"क्या हम उसे पढ़ सकते हैं?" विक्टर ने विनती करी।

"हाँ। इफिसियो 6:10-18 हमें परमेश्वर के हथियारों के बारे में बताता है, जो हम शैतान के विरूद्ध प्रयोग करते हैं।"

इन पदों को पढ़ने के बाद विक्टर बोली, "अब मैं समझा कि हमें इतना बुरा क्यों लगा। शैतान के जलते हुए तीरों से हमारी भावनाओं को ठेस पहुँची।"

"सिर्फ तुम दोनो नहीं, हमारे भाई इश्माएल और आर्थर बहुत समय से विधिवाद के तीर से विषग्रस्त हैं।"

लोरी ने एक क्षण के लिये अपनी आँखें बन्द करी, फिर चिल्लाई "जरा इस बारे में सोचो! अगर कल हम स्वर्गदूतो की आँखों से देख सकते, तो हमें शैतान अपने तीर कमान के साथ दिखाई देता। हम उसे अपनी ओर विधिवत का तीर चलाते हुए देख सकते।"

"यीशु ने हमें विधिवाद से सावधान रहने की चेतावनी दी थी।" टीनो ने उत्तर दिया, "वो फरीसीयों का कीटाणु है," वे धार्मिक लोग थे जिन्होंने यीशु का विरोध किया जब उसने पापियों को परमेश्वर का मुफ्त अनुग्रह दिया। हमारे कुमंत्रित मित्र इश्माएल की तरह फरीसी सिद्धता चाहते थे। हमें अपनी विश्वास को ढालों का प्रयोग करना चाहिये।"

**अभ्यास**

कौन सा अच्छा तरीका है, विश्वासियों को यह आशवस्त कराने के लिये, कि परमेश्वर उनसे प्रेम करता है, उन्हें स्वीकार करता है तथा क्षमा करता है?

उन्हें परमेश्वर के वचन तथा उसके प्रेम पर भरोसा करने की शिक्षा दें।

उन्हें पालन करने के लिये कई कठिन नियम दें।

[कुलुस्सियों 2:20 से 3:1 में उत्तर देखें]

एक विश्वासी का यीशु को मानने के लिये कौन सा अभिप्राय बेहतर है?

प्रेम

भय

[यूहन्ना 14:15 में उत्तर देखें]

अपनी कलीसिया में परमेश्वर के अनुग्रह का बोध करने में विश्वासियों का सहायता करने की अपनी योजना की कृपया व्याख्या करें।

---

---

---

---

---

---

---

## अध्याय 3

## विक्टर तथा लोरी ने पुराने सर्प का कैसे प्रतिरोध करा
## ( अजगर, शैतान )

ट्वांग!

विक्टर तथा लोरी द्वारा अनदेखे मनुष्यों के शत्रु ने उनकी तरफ एक और जलता हुआ तीर चलाया जिसपर "भय" अंकित था।

ट्वांग!

एक दूसरा क्षेप्यास्त्र उड़ा, जिसका नाम था "अविश्वास"।

शत्रु ने फिर से निशाना लगाया, इश्माएल और आर्थर की ओर। ट्वांग। ट्वांग! "भौतिकतावाद" तथा "बुद्धिवाद" के दो जलते हुए तीर पृथ्वी की ओर उड़े।

सारी बुरी आत्माओं का सरदार बुरे ठहाके के साथ दहाड़ा, फिर अपने दानवी सहयोगियों को आज्ञा दी, "वो क्षेप्यास्त्र लेकर आओ जो और सबसे ज़्यादा उष्णता से जलती हो। अब हम उसका प्रेक्षण करेंगे।"

एक दानव ने तीर को जलाया तथा शैतान ने निशाना लगाया। ट्वांग! "शक्ति की भूख" अपने रास्ते उड़ चली, टीनो के समूह की ओर।

"परमेश्वर का अनुग्रह बहना जल्दी ही बन्द हो जायेगा!" शैतानों के सरदार ने गर्व से कहा।

अगली सभा में जब वे स्तुति के समय के शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, इश्माएल ने एक घोषणा करी। "मेरे पास एक अच्छी खबर है। आर्थर ने हमारे समूह में सम्मलित होने के लिये उस समूह को छोड़ने का निर्णय लिया है जिसका वो मार्गदर्शन कर रहा था। वो अनुभवी है तथा जानता है, कि कड़ा अनुशासन कैसे बनाए रखा जाए।"

विक्टर लोरी से चुपचापी से फुसफुसाया, "वो तुम्हारा उल्लू है।" वो हँसने लगी तथा फिर मुख ढंक लिया।

टीनो ने आर्थर से पूछा, "तुमने अपना समूह क्यों छोड़ दिया?"

"वे आध्यात्मिक नहीं है। वे उन चीज़ों को नहीं छोड़ना चाहते थे, जो उनके मार्गदर्शक के रूप में मैं उनसे चाहता था। उन से अपना भाईचारा अलग कर लेना मेरा कर्तव्य था। हाँ! वे सच्चे मसीही नहीं है। "फिर सहसा वह मुड़ा तथा टीनो से बात करने लगा।

"बाघ ने झपट्टा मार दिया," लोरी विक्टर से फुसफुसायी तथा हल्के से हीं हीं करने लगी।

सभा के दौरान इश्माएल और आर्थर बात करते थे, जब भी उन्हें मौका मिलता था। टीनो नियंत्रण खोता प्रतीत हो रहा था। जब समूह ने प्रभु भोज का उत्सव मनाने की तैयारी करी तो इश्माएल ने नए विश्वासियों को सुझाव दिया, "तुम सम्मिलित नहीं हो सकते, अगर इस पिछले सप्ताह तुमने कोई पाप किया है तो।"

आर्थर ने भी ज़ोर देकर कहा, "तुम नए विश्वासियों को कुछ समझना चाहिये। परमेश्वर प्रभु भोज के दौरान कुछ विशेष नहीं करता है। इसमें कोई रहस्य नहीं है। यह सिर्फ एक दृष्टिगत सहायता है हमें यह स्मरण रखने में सहायता के लिये, कि यीशु मरा था। पवित्र आत्मा कुछ अलौकिक नहीं करता है। रोटी सिर्फ यीशु की देह का प्रतीक है। हाँ यह हमारी स्मरणशक्ति के लिये एक दृष्टिगत सहायता है, और कुछ नहीं। मैं तुमको यह कहते हुए नहीं सुनना चाहता कि यह यीशु की देह है। यह सिर्फ यीशु की देह का प्रतीक है।"

टीनो ने प्रतिक्रिया करी, "जो आर्थर ने अभी प्रभु भोज के विषय में बोला, वह उसकी राय है। मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि मैं विश्वास करता हूँ कि इस अनुष्ठान में एक बहुत सच्चा रहस्य है। "आर्थर

बहस करने लगा, परन्तु टीनों ने उसे बताया, "हम अभी इसपर बहस नहीं करेगें। हम यहाँ पर आराधना करने के लिये हैं। अगर तुम इसके बारे में बात करना चाहते हो, तो हम ऐसा बाद में करेंगें।"

कुछ दिनों के पश्चात टीनो और जूली ने विक्टर तथा लोरी से दुबारा भेंट करी, जिनका को बपतिस्मा हो गया था और वे मसीह में अपने नए विश्वास के साथ तेज़ी से बढ़ रहे थे। जबकि पुरूष बात कर रहे थे, दोनों महिलायें रसोई के अन्दर गई। जूली ने कहा, "तुम आज शाम कुछ परेशान दिख रही हो, लोरी।"

"मैं परेशानी महसूस कर रही हूँ, जूली। मुझे अब वैसी प्रसन्नता नहीं महसूस होती, जैसे शुरू में यीशु को प्राप्त करते हुए हुई थी मेरे लिये अनुग्रह की नदी सूख गई प्रतीत होती है। मैंने कुछ बुरी बातें करी है। जब मुझे सर्मपित होना चाहिये था मैंने विक्टर के साथ बहस करी। मैं लज्जाजनक तरीके से हठी थी। मैं हर समय अच्छी नहीं बनी रह सकती जैसे तुम रहती हो, जूली! मैं एक महत्वहीन असफल व्यक्ति हूँ।"

"नहीं लोरी! तुम एक नई विश्वासी हो, मसीह में एक आत्मिक बालक। हम सबने ऐसी असफलताओं का अनुभव किया है।"

"क्या परमेश्वर ने सच में हमें बचाया है? दोनो, विक्टर तथा मैं, हतोत्साहित हो गए थे जब हमने इश्माएल और आर्थर को सुना था। वे कितनी माँगे करते हैं! अब विक्टर आश्चर्य करता है कि क्या हम परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त करने के लायक हैं या नहीं।"

"हम में से कोई भी अनुग्रह के लायक नहीं है, लोरी!" जूली ने स्मरण कराया। पवित्र आत्मा तुम में रहता है, तुम्हारे तक परमेश्वर का सारा अनुग्रह लाने के लिये। वहाँ हर समय तुम्हारे लिये अनुग्रह है। हमें सिर्फ उन चीज़ों को अंगीकार करना है जो परमेश्वर हमें उसकी उपस्थिति तथा उसके अनुग्रह के प्रति आश्वस्त करने के लिए देता है।"

"क्या चीज़ें, जूली? हम परमेश्वर के अनुग्रह के प्रति कैसे आश्वस्त हो सकते हैं, जब हम इतना लज्जित महसूस करते हैं?

"हमें टीनों से यह समझाने के लिये पूछना चाहिये। वो परमेश्वर के वचन के द्वारा लोगों को प्रोत्साहित करने में आनन्दित होता है।"

वो फिर से पुरूषों में सम्मिलित हुई तथा जूली ने प्रस्ताव किया, "टीनो, कृपया समझाओ कि हम क्यों आश्वस्त हो सकते हैं कि हमने परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त कर लिया है।

"परमेश्वर अपने बालकों को प्रसन्नता, शांति तथा अन्य मसीही सद्गुण देता है," टीनो ने उत्तर दिया। "यह अनुग्रह उसके द्वारा कई रूपों में आता है। वो उसके वचन के द्वारा तथा हमारे हृदयों में उसके कार्मो के द्वारा आता है जब हम परमेश्वर के आत्मा की शक्ति के द्वारा एक दूसरे की सेवा करते हैं। वो बपतिस्मे, प्रार्थना तथा प्रभु भोज के द्वारा भी आता है।"

"विक्टर तथा मैं परमेश्वर के वचन पढ़ते हैं तथा प्रार्थना करते हैं," लोरी ने कहा। "हमने बपतिस्मा भी लिया है तथा हम प्रभु भोज में भी सम्मिलित होते हैं, तथा हम निश्चित रूप से अन्यों की सेवा करना चाहते हैं। परन्तु मैं अभी भी लज्जित तथा भयभीत महसूस करती हूँ अपने द्वारा किये गए कई बुरे कामों के कारण।"

"शैतान अपने जलते हुए तीर तुम्हारे ऊपर फिर से चला रहा है, लोरी। वो तुम्हारे मन को संदेह के विष से भरना चाहता है। यह कई विश्वासियों के साथ होता है जब उनका शुरू का आनंद निर्बल हो जाता है। हमें अपनी भावनाओं पर भरोसा नहीं करना चाहिये।"

विक्टर ने कहा, "आर्थर को सुनने के बाद मैं सन्देहों को महसूस करना नहीं रोक सकता, मुझे पता नहीं क्यों।"

"आर्थर का तात्पर्य ठीक होता है, परन्तु वो एक बुद्धिवादी है," टीनो ने समझाने की कोशिश करी।

"बुद्धिवादी क्या होता है?"

"मसीही बुद्धिवादी परमेश्वर के वचन का अपने मानवीय विवेक के द्वारा विश्लेषण करते हैं। वे सोचते हैं, कि किसी बात पर विश्वास करने से पहले उन्हें उसे पूर्ण तरह से समझ लेना चाहिये। परन्तु कोई भी मानव परमेश्वर के अनुग्रह को मानवीय विवेक के द्वारा नहीं समझ पाया है। अनुग्रह अतर्कसंगत है। दूसरी तरफ, न्याय तर्कसंगत है। यहाँ तक कि दया भी तर्कसंगत समझी जा सकती है। परन्तु अनुग्रह सारे मानवीय विवेक की अवज्ञा करता है, क्योंकि वो हमेशा अनर्जित है। जब लोगों ने प्रभु यीशु मसीह पर थूका, तथा अपमानित करा, थप्पड़ मारे तथा उसको सूली पर लटकाया, उसने अपने उत्पीड़कों के साथ प्रेमभय क्षमा की प्रतिक्रिया करी। वो शुद्ध अनुग्रह था, विक्टर, हमारी मानवीय समझ से परे।"

"क्या इसीलिये, आर्थर ने कहा था कि प्रभु भोज में कोई रहस्य नहीं है?" विक्टर ने पूछा। "उसने मुझे विचलित किया। हमने 1कुरिन्थियों 10:16 में पढ़ा था कि हम यीशु की देह में सम्मिलित होते हैं। यह मुझे एक सच्चा रहस्य प्रतीत हुआ।"

"वो कीमती है!" लोरी बोली।

वो निश्चित रूप से एक दैवीय रहस्य है, "टीनों ने अभिपुष्टि करी। "परमेश्वर उसे बहुत गंभीरता से लेता है। 1 कुरिन्थियों अभिव्यक्त करता है कि उसने विश्वासियों को दंडित किया, जो पवित्र वस्तु लेते हुए यीशु की देह को पहचानने में असमर्थ थे। फिर भी, आर्थर उसे शुद्ध बुद्धिवादी शब्दों में परिभाषित करता है। वो किसी अलौकिक कार्य की मनाही करता है। वो सोचता है कि जब हम साथ-साथ रोटी तोड़ते हैं तब पवित्र आत्मा अवकाश ले लेता है। मैंने भी, एक बार ऐसा सोचा था, परन्तु मैंने परमेश्वर से अपने संदेहों को क्षमा करने के लिये कहा। उसने किये लोरी। मैंने अपने अविश्वास पर संदेह करना सीख लिया है।"

"रहस्य से तुम्हारा क्या तात्पर्य है?" विक्टर ने पूछा।

"यीशु तथा प्रेरित पौलुस दोनो ने कहा कि रोटी यीशु की देह है। उन्होंने यह नहीं कहा था कि वो यीशु की देह का 'प्रतीक' है। रोटी रोटी रहती है परन्तु एक बहुत असली आत्मिक रूप में वो यीशु की देह भी है। वो एक प्रतीक हो सकती है, परन्तु अगर हम उसकी विश्वास के साथ ग्रहण करते है तो वो प्रतीक सच्चाई की शक्ति ले लेता है, जिसका वो प्रतीकवाद करता है।"

"मैंने यह अहसास किया था कि प्रभु भोज के दौरान परमेश्वर कार्य कर रहा था, विक्टर ने स्मरण किया। "मैंने महसूस किया कि मसीह सच में उपस्थित था। अब मैं समझा क्यों। परन्तु मेरे पास एक और प्रश्न है। इश्माएल का मित्र आर्थर लोगों को धन देने के लिये ज़ोर देता है, कलीसिया के कोष में धन जमा करने के लिये। तथा वो अन्य बातें कहता है जो मुझे अपराधबोध का अहसास कराती हैं। तुम तथा आर्थर दोनों बाईबल का उपयोग करते हो, परन्तु तुम हमें अपराधबोध का अहसास करते हुए नहीं छोड़ते। इतनी भिन्नता क्यों है?"

"मैं सोचता हूँ कि आर्थर एक भौतिकतावादी है, टीनो। वो लोगों के जीवन में परमेश्वर का अनुग्रह उनकी भौतिक चीज़ों से नापता है। वो यह भी सोचता है कि एक चर्च तभी सफल होता है जब उसके पास बहुमूल्य संपत्ति हो। मैं कभी इस समूह से संबद्ध था। वो अन्य सदस्यों द्वारा प्रभु की सेवा के लिये सुझाये गए नए विचारों का दमन करता था। वो कहता था कि ऐसी परियोजनाऐं चर्च के धन का क्षम कर देगी, जबकि जहाँ तक मैंने देखा, उन परियोजनाओं में कोई कीमत नहीं लगती। हमें उसके तथा इशमाएल के लिये प्रार्थना करनी चाहिये। मैं सोचता हूँ कि उनका तात्पर्य ठीक होता है, परन्तु वो संसार को उसके विचारों से उन्हें प्रभावित करने देते हैं। अच्छे मसीहियों के पास भी कभी कभी ऐसे विचार आ जाते हैं जो मनुष्यों तथा दानवी लागों की देन हो, ना कि परमेश्वर की।"

एक महीने पश्चात टीनो कई छोटे समूहों के चरवाहक प्राचीनों से मिला। उसने विक्टर से उनकी कारवाईयों को देखने रखने को कहा। सभा के दौरान टीनो ने प्रस्ताव रखा, "जिस समूह का मैं मार्गदर्शन

करने में सहायता करता हूँ, वो अपने सारे सदस्यों की देखभाल करने के लिये काफी बढ़ गया है। मैं कम से कम दो नए समूह बनाना चाहता हूँ। मैं सोचता हूँ कि उनमें से एक विक्टर तथा लोरी के घर पर मिल सकते हैं। वे मसीह में तेजी से बढ़ रहे हैं, तथा जल्दी ही वो एक समूह का मार्गदर्शन करने के योग्य हो जायेंगे। जूली तथा मैं उन्हें परामर्श देते हैं।"

"वो विभाजन का कारण बनेगा, टीनो! "इश्माएल उत्तेजनावश हिल रहा था। "कलीसिया में अवश्य विभाजन हो जायेगा, अगर हम नए विश्वासियों को घरेलू समूहों का मार्गदर्शन करने देगें।

आर्थर आगे बोला, "मैं तुम्हारे जैसे रचनात्मक विचारकों को पसंद नहीं करता, टीनों। वे हमेशा नई चीज़ें शुरू करना चाहते हैं। हमें घरेलू समूहों पर कस कर नियंत्रण रखना चाहिए। हम कड़े नियमों की आवश्यकता है। हाँ हम छोटे समूहों को ऐसे नहीं बनने देना चाहते जैसे वे कोई छोटे चर्च हो। उनको काफी ज़्यादा स्वतंन्त्रता मिल जायेगी। उनको वो सारी अध्ययन वस्तुऐं उपयोग करनी चाहिये जो इश्माएल ने उपलब्ध कराई हैं। उनको केवल बाईबल अध्ययन के समूहों की तरह रहना चाहिये। हाँ!"

कृपया आर्थर, "टीनो ने आह भरी। "हमारे समूहों पर इतने प्रतिबंध लगाना उस कार्य को नष्ट कर देगा जो परमेश्वर उनमें कर रहा है। परमेश्वर बाईबल के अध्ययन से अधिक ज़्यादा चाहता है। मेरा समूह प्रभु तथा एक दूसरे की सेवा करने के उन सारे कार्यों का अभ्यास करता है, जो कि नया नियम विश्वासियों के समूह से चाहता है। अगर हम सब उसी अध्यापन कार्यक्रम का पालन करेंगे जैसा कि तुमने कहा तो हम उन अध्ययनों का चुनाव नहीं कर सकते जो कि हमारे समूह के विश्वासियों की वर्तमान आवश्यकताओं के लिये उपयुक्त हो।"

परिचर्चा के दौरान थोड़ा रूकने के बाद विक्टर ने टीनो से पूछा, "तुमने क्यों कहा, कि हम अपने निर्देशतत्व ढूंढ़ने के लिये नए नियम का उपयोग करें? क्या हम पुराने नियम का भी उपयोग नहीं करते?"

"हम पुराने नियम का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए करते हैं, परन्तु नए नियम की कलीसिया की गतिविधियों को परिभाषित करने के लिये नहीं। नहीं तो हम को उन लोगों को पत्थरवाह करना पड़ेगा जिन्होंने शनिवार को जलाने की लकड़ी इकट्ठी करी। हमको वे सारे कार्य करने चाहिये जो कि मसीह तथा उसके प्रेरितों ने हम से चाहे।"

आर्थर ने टीनो को कहा सुना तथा बोला, "हम सारी की सारी क्रियायें अवश्य करेगें। हाँ! हम लोगों को उन प्रबन्धनों को करने के लिए नियुक्त करेंगे जो विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करें। एक समूह प्रत्येक प्रबंधन का अभ्यास करेगा। प्रत्येक समूह के पास एक प्रबंधन होगा तथा वो उससे जुड़ा रहेगा। हाँ! सारे समूह वचन की शिक्षा देगें हाँलांकि, सिर्फ एक समूह प्रचार कार्य देखेगा। दूसरा आराधना का नियंत्रण करेगा। एक और धन संबंधी कार्यों की देखरेख करेगा तथा दान को बढ़ावा देगा। इस तरह से हम सारे समूहों के ऊपर एक कसा हुआ नियंत्रण रेखेंगे। हम यह जान सकेगें कि कौन क्या कर रहा है।" आर्थर ने अपनी आवाज़ ऊँची करी तथा अन्य सब प्राचीन उसको तथा टीनो को सुन रहे थे।

"उस तरह का विशिष्ट संगठन धर्मगन्थ्र की आवश्यकता का विरोध करता है!" टीनो ने चेताया। "तुम लोगों को छोटे विभागों में कैद कर दोगे! तुम उन विभिन्न आत्मिक वरदानों को अलग कर दोगे जो परमेश्वर एक कलीसिया को देता है! तुम उसी आत्मिक वरदान को एक समूह में एकत्र कर दोगे, बजाए उनकी सामर्थ्य को अन्य विश्वासियों को उपलब्ध कराये। तुम्हारा संगठित करने को तरीका विश्वासियों को छोटे समूहों में दूसरे की सेवा करने के विभिन्न तरीकों से मेल नहीं खाता परमेश्वर का वचन चाहता है कि हरएक विभन्न प्रकार के प्रबंधनों में विभिन्न वरदानों से युक्त लोग हो जिससे कि वो एक दूसरे की सेल कर सकें।"

"मैं असहमत हूँ!" आर्थर ने वापस प्रहार किया! अलग कार्यक्रमों को संगठित करके हम समूहों पर नियंत्रण रख सकते हैं। हाँ! हाँ! यही एक तरीका है।" अन्य प्राचीनों में से दो आर्थर के साथ उनके समझौते को सहमाती देते है।

टीनो के चेहरे से निराशा झलकी! उसने विनती करी "कृपया अधिक बाईबल अनुसार तरीका विचारो। मसीह की कलीसिया को संगठित करने के लिये, परमेश्वर चाहता है कि हम विभिन्न आत्मिक वरदानों से युक्त लोगों को उनके कार्यो में ताल मेंल बिठाने के लिये साथ लाए, ना कि उनको अलग करें। कुरिन्थियों 12 रोमियो 12 तथा इफिसियों 4:11-16 पढ़ो। हमें एक ही कलीसिया में हमारे विभिन्न प्रबन्धनों मे रहकर एक दूसरे को प्रेम में सेवा करनी है। हमारे घरेलू समूह यह बहुत अच्छी तरह करते हैं। हमारी बाईबल संबंधी कार्य पद्धति को छोड़ देने की कोई आवश्यकता नहीं है।"

"तुम हर समूह को एक छोटा चर्च बनाना चाहते हो!" आर्थर ने ज़ोर से शिकायत करी। "ऐसे समूह हमको नियंत्रित करने कठिन हो जायेगें। हाँ! हमें उस तरह के संगठन की आवयश्कता है, जो हमारे जैसे मार्गदर्शकों को जबरदस्त शक्ति दे।"

"तुम अपनी शक्ति के विषय में बहुत चिन्ता करते हो, आर्थर। इसके बजाए हमें हरएक समूह को नियंत्रण में रखने के लिये पवित्र आत्मा की शक्ति पर भरोसा करना चाहिये, तथा हरएक समूह को उसके प्रबंधनो का विकास करने देना चाहिये, जैसे परमेश्वर उसका मार्गदर्शन करता है। 2 कुरिन्थियों 3:17 आत्मा मे हमें इस प्रकार की स्वतन्त्रता का वादा करते हैं।"

"तुम नई चीज़ों को प्रस्तुत करना चाहते हो, टीनो, "आर्थर चीखा। "तुम अपने समूह में हरएक को कुछ भिन्न करने देना चाहते हो! हाँ! कोई नहीं जानता कि एक सप्ताह से दूसरे सप्ताह के बीच में क्या होगा। इतनी ज़्यादा स्वतन्त्रता भ्रम का कारण बनती है। वो हमारी एकता को नष्ट करती है। हमें सारे समूहों के लिए एक निर्धारित अभ्यास की आवश्यकता है। तथा हरएक समूह में हरएक  के लिये । हाँ! यह है कि किस प्रकार एकता बनाए रखी जाए!"

"हम एकता को एक रूपता के साथ भ्रमित ना होने दें," टीनों ने विनती करी। मसीह में सच्ची एकता का यह तात्पर्य नहीं है, कि सब एक जैसे कार्यों का अभ्यास करें। उसका तात्पर्य बिल्कुल विपरीत है! प्रेरितों ने कलीसिया में एकता के बारे में शिक्षा दी थी जब वो आत्मिक वरदानों के विषय व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया, कि मसीह में एकता का तात्पर्य है, कि हम सबके पास विभिन्न वरदान है, तथा पवित्र आत्मा हमारे प्रेम में विभिन्न प्रबंधनों में तालमेल बिठाता है।"

एक प्राचीन जो पहले आर्थर से सहमत हो गया था बोला, "यह एक रोचक सत्य है, भाई टीनो। मैंने इसपर पहले ध्यान नहीं दिया था। हाँ! 1 कुरिन्थियों 12 उसकी स्पष्ट तरह से शिक्षा देता है। परमेश्वर का पवित्र आत्मा विभिन्न प्रबंधनों मे उसी तरह से तालमेल बिठाता है, जिस तरह से हमारे शरीर के विभिन्न भाग साथ साथ कार्य करते हैं। धन्यवाद टीनो। मैं अपने समूह के विश्वासियों को विभिन्न प्रकार की सेवाओं के विषय में शिक्षा देना तथा मानसिक रूप से तैयार करना शुरू करने जा रहा हूँ, समस्त कलीसिया को स्थापित करने के लिये।"

"बहुत अच्छा।" टीनो ने प्रतिक्रिया करी। "तुम यह भी देखोगे कि एक दूसरे की सेवा करने के लिये आवश्यकतायें तथा अवसर लगातार बदलते रहते हैं, जैसे कि नए नियम में होते थे।"

इश्माएल तथा आर्थर को छोड़कर अन्य चरवाहक प्राचीन टीनो से सहमत हुए। इश्माएल ने बहस करना जारी रखा, "तुम अनुग्रह पर बहुत ज़ोर देते हैं। टीनो। तुम यह कहते प्रतीत होते हो, कि विश्वासी जो चाहें वो कर सकते हैं। तुम्हारी शिक्षा के कारण, हम अपनी कलीसिया में अनुशासन खो देगें।"

"हम अनुग्रह को ज़्यादा महत्व नहीं दे सकते, अगर हम ठीक प्रकार से उसे परिभाषित करें," टीनो ने इश्माएल को समझाया। "कुछ शिक्षा देते हैं, जैसे कि तुमने कहा कि मैं करता हूँ, कि अनुग्रह हमको यह अधिकार देता है कि हम जो चाहें वो पाप करें। तुमने मुझे इतनी हानिकारक भूल की शिक्षा देते हुए नहीं सुना होगा। तुम्हारा भय आधारहीन है। जो परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त करते हैं, वो पाप के लिये मर जाते हैं जैसा प्रेरित पौलुस कहता है हम अनुग्रह को उस प्रकार परिभाषित करें जिस प्रकार परमेश्वर परिभाषित करता है।"

"तो, बाईबल उसे कैसे परिभाषित करती है, टीनो?" इश्माएल ने पूछा।

"अनुग्रह परमेश्वर की अपत्रित कृपा है। पश्चातापी विश्वासी उसे मसीह के द्वारा मुफ्त प्राप्त करते हैं, पाप के लिये मर जाते हैं तथा मसीह के साथ एक नए जीवन में उठाए जाते हैं, परमेश्वर के परिवार में पुनः जन्म लेने के लिये। वो परमेश्वर के गोद लिए हुए बालक बन जाते हैं, तथा मसीह के साथ परमेश्वर की असीमित दौलत के उत्तराधिकारी बन जाते हैं।"

"बाईबल कहाँ पर हमें ऐसी शिक्षा देती है?"

टीनो ने अपनी बाईबल को खोला। "मुझे कुछ अच्छे सन्दर्भ ढूँढ़ने के लिये कुछ क्षण दो।" विक्टर ने ध्यान दिया कि इश्माएल ने उन पदों को लिखा जैसे जैसे टीनो ने उनका उल्लेख किया; "रोमियो 5:12 से 6:18, रोमियों अध्याय 8 तथा इफिसियों 2:4-7। विक्टर ने भी अपनी नोटबुक में उन्हें लिखा।

"दुर्भाग्य से कुछ मसीही शिक्षक अनुग्रह का गलत तरीके से परिभाषा करते हैं," टीनो ने स्पष्ट किया। "वे सोचते हैं कि उसका तात्पर्य यह है, कि हमें प्रेमपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखने के लिये किसी भी कीमत पर कभी भी किसी का विरोध नहीं करना चाहिये। यह राय परमेश्वर के वचन को खतरनाक ढंग से घुमा देती है! परमेश्वर के राज्य के चरवाहों को उन लोगों का विरोध करना चाहिये जो भूल करते हैं, चाहे अल्पकालिक उदासी का कारण बने, जैसा मसीह तथा प्रेरित पौलुस ने किया था। सबसे अच्छी बात जो हम मसीह में एक पापग्रस्त तथा भ्रामक भाई के लिये कर सकते हैं वो उसका सुधार करना है, जब उसे उसकी आवयश्कता हो चाहे वो पीड़ा दायक ही हो। अगर वो परमेश्वर का सच्चा बालक है, वो वापस आ जायेगा। वो हमें उसके लिये धन्यवाद करेगा। हमें उन विश्वासियों से अपना भाईचारा वापस ले लेना चाहिये जो भूल करते है तथा पश्चाताप करने से मना करते है। इसलिये मसीह तथा प्रेरित पौलुस दोनो ने कहा कि हमें अपश्चातापी मसीहियों से किनारा करना पड़ेगा; तथा उनके साथ प्रभु भोज भी नहीं लेना होगा।"

इश्मायल ने टीनो से प्रश्न किया, "कौन से बाईबल के पद हमें ऐसे अनुशासन के बारे शिक्षा देते हैं?"

टीनों ने फिर से उनको अपनी बाईबल में देखा तथा कहा,

"मत्ती 18:15-20; 1 कुरिन्थियों 5 तथा तीतुस 3:10-11" इश्माएल तथा विक्टर दोनों ने उन्हें लिख लिया।

टीनो ने कहना जारी रखा, "अनुग्रह के प्रति एक और हानिकारक भ्रांति यह कहना है, कि परमेश्वर विश्वासियों को उनके पापों के लिये दोषी नहीं ठहरायेगा! वो अवश्य ठहरायेगा! उसकी क्षमा हमें आश्वस्त करती है, कि हम उनमें से नहीं होंगे जिन्हें मसीह मृत्यु से उठायेगा तथा अनन्तकाल के दंड के लिए भेजेगा, जैसा कि उसने यूहन्ना 5:24-29 में चेताया है। हाद्यापि, वो हमें, हमेशा के लिये उसके साथ के लिये उठायेगा, तयापि मसीह न्याय की गद्दी पर बैठेगा तथा उसके भव्य राज्य के द्वार पर हमारे कार्यों का परीक्षण करेगा। वो हमारे बुरे कार्यों को जला देगा, जैसे मूसा ने अवैध वस्तुओं को जला दिया था जिसको उसके कुछ सैनिकों ने परमेश्वर के पवित्र तंबू में ले जाने की कोशिश की थी, गिनती अध्याय 31 में फिर मसीह हमारे अच्छे कार्यों के लिये हमें पुरस्कृत करेगा जो उसके न्याय को सह सकेंगे।"

फिर से इश्माएल तथा विक्टर ने संदर्भ लिखे जब टीनो ने उन्हें ढूँढ़ लिया: 1 कुरिन्थियों 3:11-15 तथा 2 कुरिन्थियों 5:10"

फिर इश्माएल बड़बड़ाया, "मैं अभी भी सोचता हूँ, कि तुम अनुग्रह को बहुत ज़्यादा महत्व देते हो, टीनो।"

"मैं उसे इतना महत्व देता हूँ जितना मैं तुम्हारे विधिवाद को सुधारने के लिये करता हूँ, इश्माएल।"

इश्माएल ने चुनौती दी, "मैं यह पद पढ़ूँगा और देखूँगा कि कौन सही है, तुम या मैं।"

उस सप्ताह बाद टीनो तथा जूली ने फिरसे विक्टर और लोरी से भेंट करी। टीनो ने पूछा, "तुम हमारी पिछली सभा में अनुपस्थित क्यों थे, विक्टर?"

"क्योंकि मैं इस भय से थक गया हूँ कि मैं इश्माएल और आर्थर का विरोध करूँगा। हम अपने आपको वैसा करते हुए पाते हैं, जैसा वो चाहते हैं, इसलिये नहीं कि हम यीशु से प्रेम करते हैं, परन्तु इसलिये कि वो हमको वैसा करने के लिये ज़ोर देते हैं। काम पर, दिन के दौरान, इश्माएल अक्सर मुझे बताता है कि एक मसीही बनने के लिये मुझे क्या करना चाहिये। अगर मैं सहमत नहीं होता हूँ तो वो मुझे दोषी होने का अहसास दिलाता है।"

लोरी आगे जोड़ती है, "आर्थर मुझे भयभीत कराता है, कि समूह के लोग हमें अस्वीकार कर देगें या परमेश्वर हमें अस्वीकार कर देगा। जब हम इतना भय महसूस करते हैं तो हम भाईचारे का आंनन्द नहीं ले सकते।"

टीनो ने एक क्षण सोचा फिर राय व्यक्त करी, "अगर इश्माएल या आर्थर नए विश्वासियों को भगा देते हैं या विभाजन का कारण बनते हैं, तब हम उन्हें अनुशासित करेगें तथा सुधारेगें जैसा परमेश्वर चाहता है।"

"तुम उन्हें कैसे दंडित करोगे? "विक्टर ने पूछा

"मेरा तात्पर्य दंडित करने का नहीं है! दंड को हम परमेश्वर के ऊपर छोड़ते हैं! परमेश्वर अपने बालकों को अनुशासित करता है, कभी कभी पीड़ा दायक तरीके से, क्योंकि वो उनसे प्रेम करता हैं। हम आक्रमक विश्वासियों को सिर्फ उनका पुनरूद्धार करने के लिये नहीं। जब विश्वासी गंभीर भूल करते हैं तो हमें उनको सौम्यता से परन्तु दृढ़ता से सुधारना चाहिये, जैसा गलतियों 6:1 चाहता है। सिर्फ जब वो सुधार के प्रति विद्रोह करे तथा पाप करते रहे, तब हमें उन्हें प्रभु भोज से अलग कर देना चाहिये जब तक कि वो पश्चाताप ना करे, जैसा 1 कुरिन्थियों 5 चाहता है।"

उन्होंने प्रार्थना करी तथा टीनो ने युवा जोड़े को फिर से परमेश्वर के प्रेम का निश्चय दिया। उन्होंने अगले दो सप्ताह के मध्य साहस पाया तथा प्रभु के लिये कड़ी मेहनत करी। विक्टर ने अपने मित्रों को यह गवाही दी, कि यीशु ने उसके तथा लोरी के लिये क्या करा। उसने उनको अनन्त मुक्ति तथा यीशु में परमेश्वर के मुफ्त अनुग्रह के विषय में बताया। लोरी ने भी अपनी महिला पड़ोसनों को यीशु के अनुग्रह के बारे में बताया।

समूह के एक आराधना काल के पश्चात, टीनो ने विक्टर और लोरी को बताया, "तुम्हारे कुछ मित्रों ने यीशु को प्राप्त किया है। मैं सोचता हूँ कि तुम, विक्टर, अपने घर में एक नए समूह का मार्गदर्शन करो।"

"क्या तुम सोचते हो मैं वैसा कर सकूँगा? इश्माएल पसंद नहीं करेगा अगर मैं एक समूह का मार्गदर्शन करूँगा। मैं गलतियाँ कर सकता हूँ।"

"हम सब गलतियाँ करते हैं, इसलिये कृपया उससे मत डरो। जूली तथा मैं, तुम्हें तथा लोरी को परामर्श देना जारी रखेंगे, तुम्हारी ठीक तरह से कार्य करने में सहायता करने के लिये। तुम्हें इश्माएल या आर्थर से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। चरवाहक प्राचीन अब उनके पीछे नहीं है। हमने सहमति करी है, कि हम अपने समूहों का निमार्ण प्रेमपूर्ण संबंधों के ऊपर करेंगे।"

लोरी ने विश्वास में कहा, "मैं यह जानकर प्रसन्न हूँ। इश्माएल और आर्थर हमें दोषी महसूस कराने की कोशिश करते रहें है।"

"फिर उनकी ओर ध्यान मत दो, लोरी," टीनो ने सलाह दी। "अब वो तुम्हारे मार्गदर्शक नहीं है।"

"वो परमेश्वर के अनुग्रह के प्रति कितने कंजूस है।"

"परन्तु उनके पास उसके बहाव को रोकने की कोई शक्ति नहीं है, जब तक हम अपने विश्वास में दृढ़ता से खड़े रहें।"

प्रार्थना करने तथा नए समूह को आरंम्भ करने के विषय मे बात करने के पश्चात्, विक्टर उसका मार्गदर्शन करने को सहमत हुआ। उनको शुरू की दो सभाओं के पश्च्यात, उसने लोरी को बताया, "समूह को आरम्भ करना आसान था। हमें सिर्फ उन्हीं चीज़ों को दोहराना पड़ा जो टीनो तथा जूली ने हमारे लिये करी थी।"

"मैंने आज सुबह पढ़ा कि प्रेरित पौलुस ने 1 कुरिन्थियों 11:1 में क्या निर्देश दिये थे; तुम मेरी सी चाल चलो जैसे मैं मसीह की सी चाल चलता हूँ। हम वो कर रहें हैं विक्टर हम अपने परामर्शकर्ता टीनो की चाल चल रहे हैं तथा वह यीशु की चाल चलता है।"

"हाँ और परिणाम की ओर देखों!" विक्टर आनंदित हुआ, "हमारे कुछ मित्र, तथा उनके मित्र तथा उनके मित्रों के मित्र, यीशु की ओर आ रहे हैं। अनुग्रह की नदी मेरी कल्पना से ज़्यादा तेज़ी से बहती है!"

टीनो विक्टर से हर सप्ताह यह जानने के लिये मिलता था, कि उसका नया समूह कैसी तरक्की कर रहा है, तथा उनकी आगामी सभाओं की योजना बनाने में सहायता के लिये! जैसे जैसे वो मसीह में बढ़ें, तथा अपनी समझ में, कि कैसे अपने नए समूह पर परमेश्वर का वचन लागू करें, विक्टर का टीनों से मिलना कम हो गया।

परामर्श के एक कार्यकाल के दौरान, टीनो ने उसे बताया, "मैं उन मिश्नरियों से मिलने जा रहा हूँ जो हमारे समूह ने देश के एक अन्य भाग में भेजे हैं। मैं कई सप्ताह के लिये जाऊँगा। जब तक मैं नहीं होता हूँ, मैं आशा करता हूँ कि तुम और लोरी अपने समूह में हरएक व्यक्ति की उनके विभिन्न आत्मिक वरदानों के साथ अन्यों की सेवा करने में सहायता करोगे। यह ज़रूरी नहीं है कि हर व्यक्ति अपने सारे आत्मिक वरदानों के बारे में जानता हो। परन्तु यह ज़रूरी है कि वे नए नियंम की 'एक दूसरे' के प्रति आज्ञाओं का अभ्यास करें।"

"एक दूसरे के प्रति आज्ञायें क्या है?" विक्टने पूछा।

"उनमें एक दूसरे की सेवा करें, एक दूसरे के बोझ सहें, 'अपने दोष्य एक दूसरे से स्वीकारें, एक दूसरे को सुधारें, एक दूसरे से भावपूर्ण प्रेम करें, एक दूसरे को क्षमा करें, तथा कई और आज्ञाएं सम्मिलित हैं। उनमें से कुछ को कई बार दोहराया जाता है। वे हमारे समूहों के अन्दर, तथा मध्य प्रेमपूर्ण परस्परता की माँग करते हैं।"

उन्होंने नए नियम में यीशु तथा उसके प्ररितों की 'एक दूसरे' के प्रति आज्ञायें देखी; तथा अन्य समरूप आज्ञायें जो विश्वासियों के मध्य प्रेमपूर्ण परस्परता चाहती थीं। विक्टर ने उन्हें सावधानी पूर्वक लिखा और उनको उनके भिन्न अनुप्रयोगों के वर्ग में सूचीबद्ध किया, निम्नलिखित तरीके से:

## परस्परता के लिये "एक दूसरे" के प्रति आज्ञायें

**प्रेम करें:**

एक दूसरे से प्रेम करें: यूहन्ना 13:34-35; 5:12,17; रोमियों 12:10; 1 थिस्सलुनीकियों 4:9; 1 यूहन्ना 3:11,14,23; 4:7,11,12; 2 यूहन्ना 1:5; 1 पतरस 1:22

व्यवस्था पूरी करने के लिए एक दूसरे से प्रेम करें: रोमियो 13:8

एक दूसरे के प्रति अपने प्रेम को बढ़ाएं: 2 थिस्सलुनीकियों 1:3

2 थिस्सलुनीकियों 1:3 दूसरों से भरपूर प्रेम करें: 1 थिस्सलुनीकियों 3:12

पापों अनेक को ढांपने के लिए, एक दूसरे से गहराई से प्रेम रखें: 1 पतरस 4:8

**देखरेख के साथ परस्परता दिखायें:**

एक दूसरे के साथ सहभागिता रखें: 1 यूहन्ना 17.

एक दूसरे को क्षमा करें: इफिसियों 3:13; 4:32; कुलुस्सियो 3:13

पवित्र चुम्बन के साथ एक दूसरे का अभिवादन करें (आलिंगन कुछ सभ्यताओं में): रोमियों 16:16; 1 कुरिन्थियों 16:20; 2 कुरिन्थियों 13:12; 1 पतरस 5:14

रोटी तोड़ने के लिए एक दूसरे की प्रतीक्षा करें: 1 कुरिन्थ्यों 11:33

एक दूसरे के दुखों को सहें: 1 कुरिन्थियों 12:26

एक दूसरे की सेवा करें (व्यक्तियों तथा समूहों पर लागू करें, समूह दूसरे समूहों की सेवा करें) गलतियों 5:13

**सेवा करें:**

अपने प्राप्त किये हुए वरदानों के साथ एक दूसरे की सेवा करें: 1 पतरस 4:10

एक दूसरे की प्रेम में सेवा करें: गलतियों 5:13

एक दूसरे से भलाई करें: 1 थिस्सलुनीकियों 5:15

एक दूसरे की चिन्ता करें: 1 कुरिन्थियों 12:25

एक दूसरे का भार उठायें: गलतियों 6:2

एक दूसरे के पांव धोयें (दूसरों के प्रति विनम्र सेवा का चिन्ह) यूहन्ना 13:14

एक दूसरे के सहकर्मी बनें: 1 कुरिन्थियों 3:9; 2 कुरिन्थियों 6:1

**शिक्षा दें:**

एक दूसरे को सिखायें: कुलुस्सियों 3:16

एक दूसरे को चितायें: रोमियों 15:14

**प्रोत्साहन दें:**

एक दूसरे को समझायें: कुलुस्सियों 3:16; इब्रनियों 10:25

एक दूसरे को प्रेरित करे: इब्रानियों 3:13

एक दूसरे से सच बोलें: इफिसियों 4:25

एक दूसरे के लिए प्राण दें: 1 यूहन्ना 3:16

एक दूसरे को उक्सायें, प्रेम तथा भले कामों के लिये: इब्रानियों 10:24

**नैतिक सुधार करें:**

एक दूसरे का आध्यात्मिक (नैतिक बल, उन्नति) सुधार करें: 1 थिस्सलुनीकियों 4:18; 5:1,11

एक दूसरे की आत्मिक उन्नति करें, हर एक को इकट्ठा करके भजन या उपदेश या अन्य भाषा, या प्रकाश, या अन्य भाषा का अर्थ बतायें: 1 कुरिन्थियों 14:26

**आध्यात्मिक सहायता दें:**

एक दूसरे के सामने अपने पापों को स्वीकार करें: याकूब 5:16

एक दूसरे के लिए प्रार्थना करें: याकूब 5:16

समूहों के अन्दर तथा आपस में एकता विकसित करें

**दीनता से बर्ताव करें:**

एक दूसरे का आदर करें: रोमियों 12:10

एक दूसरे के साथ सहमति रखें: 2 कुरिन्थियों 13:11; रोमियों 12:16; 15:5

एक दूसरे पर दोष ना लगायें: रोमियों 14:13

एक दूसरे की बदनामी ना करें: याकूब 4:11; 5:9

एक दूसरे के आधीन रहें: इफिसियों 5:21

एक दूसरे की सेवा के लिये दीनता से कमर बाँधे रहें: 1 पतरस 5:5

**शांति के साथ रहें:**

एक दूसरे के साथ धीरज रखें: इफिसियों 4:2

एक दूसरे के साथ मेल मिलाप से रहें: मति 9:50

एक दूसरे के साथ आदरभाव से रहें: रोमियों 15:7; 1 पतरस 4:9

एक दूसरे के साथ परमेश्वर की बड़ाई करें: रोमियों 15:6

"मैं सोचता हूँ कि हम अपने समूह में विश्वासियों को 'एक दूसरे' के प्रति आज्ञाओं का अभ्यास करने में सहायता कर सकते हैं।" विक्टर ने कहा। "परन्तु मेरे पास एक चिंता है। पिछली बार जब हम मिले थे, तो उनमें से कुछ एक दूसरे के साथ बहस कर रहे थे।"

"तुम्हें परमेश्वर की सहायता की आवश्यकता पड़ेगी, क्योंकि शैतान ऐसे प्रेमपूर्ण अंतर्व्यवहारों का विरोध करता है। उसकी दुष्टात्माएं हमें उस प्रकार से एक दूसरे की सेवा करने से दूर रखते हैं जिस प्रकार परमेश्वर चाहता है। शैतान घृणा करता है, जब विश्वासी एक दूसरे की सेवा के लिये अपने आत्मिक वरदानों का उपयोग करते हैं। वो और उसकी बुरी आत्मायें परमेश्वर के अनुग्रह के स्वतन्त्र बहाव का दमन करने में संघर्ष करने में कभी नहीं रूकती है। परन्तु यीशु ने अपनी मृत्यु तथा पुनरूत्थान के द्वारा हमरे ऊपर शैतान की शक्ति को हमेशा के लिये नष्ट कर दिया, जैसा कुलुस्सियों 2:13-15 अभिपुष्ट करता है।"

"कृप्या आत्मिक वरदानों के बारे में थोड़ा सा और समझाये," विक्टर ने विनती करी।

"बाईबल के अन्दर 'वरदानों' के लिये मौलिक शब्द 'करिश्मा' था, जिसका कि अनुवाद 'अनुग्रहों' या 'वरदानों' के रूप में किया जा सकता है। परमेश्वर यह विशेष येाग्ताए अन्य लागों की सेवा के लिये देता है। वो उसके अनुग्रह के उत्पाद है। हम उसके अनुग्रह को अपने द्वारा अन्य लोगों में बहने देते हैं जब हम अपने वरदानों का एक दूसरे की सेवा के लिये उपयोग करते हैं। सारे विश्वासियों के पास वरदान हैं तथा वे उनको किसी प्रकार के प्रबन्धन में उपयोग करते हैं, जैसा इफिसियों 4:11-12 स्पष्ट करता है।"

"आर्थर ने मुझे कल बताया कि प्रबन्धन मुख्यता: उपदेश देना है। क्या वो सच है?"

"प्रबन्धन उपदेश देने से कहीं ज़्यादा हैं!" टीनो ने ज़ोर दिया। "परमेश्वर सारे विश्वासियों को विशेष अनुग्रह विभिन्न प्रबन्धनों के लिये देता है, जिससे कि हम दूसरों का भला कर सकें।" उन्होंने सेवा करने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा करी जो कि मसीही कलीसियाओं से नया नियम चाहता है। विक्टर ने अपनी कॉपी से सेवा करने के इन तरीकों को लिखा:

**पुरोहितीय पास्तरीय परामर्श देना, सुधारना तथा दुखियों को सांत्वना देना,**

**चंगाई देना, सहायता करना तथा दया दिखाना,**

**प्रेरित करने के, भविष्यवाणी तथा प्रोत्साहन के वचन कहना,**

**प्रबन्ध करने (देने) का अभ्यास करना,**

**प्रार्थना में मध्यस्थता करना तथा परिवारिक प्रार्थनाएं रखना,**

**विवाह, परिवार तथा बालकों की देखरेख को बल देना,**

**आराधना करना तथा भाईचारे के लिए विशेष कार्यक्रम नियोजित करना,**

**प्रचार करना, अनुयायी बनाना तथा मार्गदर्शन करना,**

**नई कलीसियाऐ या छोटे समूह बनाना तथा मिश्नरियों को भेजना,**

**लोगों की आवश्यकताओं पर परमेश्वर का वचन लागू करना, तथा मार्गदर्शकों अगुवों को प्रशिक्षित करना।"**

विक्टर टिप्पणी करता है, "अब जब मैं इतनी सारी चीज़ें देखता हूँ जो हमें अपने समूह को करने के लिये सिखानी है, मैं सोचता हूँ कि क्या हम यह सब कर सकेंगे या नहीं।"

"परमेश्वर की सहायता के बिना तुम नहीं कर सकते, परन्तु उसने तुम्हारी सहायता करने का वचन दिया है।"

"अगली सुबह तड़के, विक्टर दरवाज़े पर शोर सुनकर जागा। उसने खिड़की से बाहर देखा। "इश्माएल बाहर है! कुछ गड़बड़ है!"

"वो इश्माएल को अन्दर आने देने के लिये भागा तथा लोरी ने चोगा पहना। इश्माएल हाँफते हुए बोला, "विक्टर, तुम्हें आज सुबह काम पर जाने की कोई ज़रूरत नहीं है!"

"क्यों नहीं है?" टीनो ने पूछा, चौकन्ना होते हुए।

"दुकान जल गई!"

"क्या?"

"वो जल गई हैं। सारे उपकरण राख हो गए हैं, मेरे पास कुछ नहीं बचा।" इश्माएल रो पड़ा। लोरी आई तथा उसका हाथ पकड़ा तथा विक्टर ने उसके लिये प्रार्थना करी।

बाद में विक्टर ने कूड़ा साफ करने में इश्माएल की सहायता करी परन्तु उन्हें राख में कुछ रैंच तथा अन्य छोटे सामान के अलावा जो कि बचाये जाने योग्य थे, कुछ नहीं मिला। अगले दिन इश्माएल विक्टर से फिर से मिलने आया। वो काफी देर तक खामोशी में बैठा रहा। लोरी चाय लाई तथा पूछा, "हम तुम्हारी सहायता के लिये क्या कर सकते हैं, इश्माएल?"

उसने उत्तर नहीं दिया। वो सन्नाटे के एक और लम्बे पल में बैठे रहे। आखिर में इश्माएल रो पड़ा, "परमेश्वर ने मेरे साथ यह किया!"

"नहीं" लोरी ने उत्तर दिया। "शैतान ने यह करा है।"

"फिर परमेश्वर ने शैतान को यह करने दिया है।"

विक्टर ने इश्माएल से बात करने का प्रयास किया परन्तु वो फिर से लम्बे समय के लिये मौन रहा। अंत में इश्माएल धीमी आवाज़ में बोला। "कृप्या कुछ माचिस ले आओ।"

"माचिस?" विक्टर ने पूछा। "क्यों? क्या तुम कुछ और चीज़ जलाना चाहते हो?"

"हाँ!" उसका हाथ उसकी जेब में गया। "यह उन बातों की सूची जो मैंने कहीं थीं, कि तुम्हें और लोरी को करनी है।" लोरी कुछ माचिस ले आई। इश्माएल ने सावधानी पूर्वक वो पूरा कागज़ जलाया।

उसने समझाया, "मैं एक बार अपने चाचा के चर्च में उपस्थित हुआ। मेरे पिता की तरह उन्होंने इस्लाम को अस्वीकार कर दिया था तथा एक उत्साही बन गए थे; परन्तु बहुत अनुशासन प्रिय। उन्होंने मुझे वें चीज़ें बताई जो मैंने तुम्हें करने के लिये बताई। मैं डरता था कि अगर मैंने उन्हें नहीं किया, तो परमेश्वर मुझे दंडित करेगा। मैं भय में रहता था। क्योंकि मैं तुम्हारा मालिक था मैं सोचता था कि परमेश्वर चाहता है कि मैं उसी तरह से तुम्हारी देखभाल करूँ। मैंने अपने में मान लिया, कि तुम्हें भी वे चीज़े करने देना मेरा कर्तव्य है, जिससे कि परमेश्वर तुम्हें दंडित ना करे। आग लगने के बाद से, मैं बाईबल में उन चीज़ों को पढ़ रहा हूँ जो हमारे चरवाहे टीनो ने हमें सिखाई थी। मैंने देखा कि मैं बहुत गलत था। मैं परमेश्वर के अनुग्रह तथा उसके पवित्र आत्मा के विरोध में लड़ रहा था।"

विक्टर बोलने के लिये बहुत अचंभित था। एक और लंबी खामोशी के बाद लोरी ने धीमे से कहा, "मैं नहीं जानती कि मुझे प्रसन्नता के कारण रोना चाहिये या चिल्लाना चाहिये!" उसने दोनो चीज़ें करी।

विक्टर अगले दिन घर वापस आया तथा लोरी को बताया, "मुझे दूसरा काम मिल गया है! मेरा परीक्षण करने के लिये उन्होंने मुझ से कुछ ऐसी चीज़ों को वेल्ड करना को कहा, जो कि एक अनुभवी वेल्डर ही अच्छे तरह कर सकता था। प्रबन्धक ने कहा कि मेरा एक अभ्यस्त, तेज़ चलने वाला हाथ है तथा जो मैं पहले अर्जित कर रहा था वो उसे दुगुना कर देगा।"

"हमारी सारी समस्यायें जा रही है!" वो चिल्लाई! "सारी नहीं। आर्थर ने कहीं पर एक बड़े चर्च में मसीहियों से, अपना प्रबन्धन आरम्भ करने के लिये धन प्राप्त किया है। मैं नहीं जानता था कि उसका एक प्रबन्धन है, परन्तु उसने उन्हें विश्वास दिलाया है। वो उस धन का उपयोग उन विधिवादी चीज़ों की शिक्षा देने के लिये हमारी कलीसिया के आदमियों को भाड़े पर रखने के लिये करता है जो इश्माएल ने हमें आग लगने से पहले सिखायीं थी। आर्थर टीनो की अनुपस्थिति का लाभ उठा रहा है तथा उसके दो परिवारों को टीनो का समूह छोड़कर, उसको मानने के लिये विश्वास में ले लिया है। घर आते हुए मैंने आर्थर को उस परिवार के घर में प्रवेश करते हुए देखा, जो पिछले सप्ताह हमारे समूह में सम्मिलित हुए थे। शैतान के तीर का ज़हर फैल रहा है!"

लोरी बैठ गई तथा चुपचाप से आह भरी।

**अभ्यास**

परमेश्वर हमें इस जीवन में इनके साथ आशीष देने को वचन देता है:

भौतिक आशीषें

आत्मिक आशीषें

[इफिसियों। 1:3 हमें आत्मिक आशीषें देने का वादा करता है। नहीं तो, हम संसार में इतने सारे करोड़ों मसीहियों के उत्तरदायी नहीं हो सकते थे जो कि भौतिक रूप से काफी निर्धन है। फिर भी, निर्धन विश्वासी महिमा के भंडारों के उत्तराधिकारी है तथा मसीह के साथ शासन करेंगे]

लोगों को मसीह में उनकी स्थिति का निश्चय कराने के लिये इन तीन में से कौन सा सर्वोत्तम तरीका है?

उन्हें डराये खना कि यादि वो किसी नियम को तोड़ देगें, वे परमेश्वर के अनुग्रह से गिर जायेंगें, तथा उसका दंड प्राप्त करेंगें।

उनको उनके द्वारा किये गए बुरे कामों का लगातार स्मरण कराकर, उनके पापों के लिये उनको दोषी महसूस कराना।

परमेश्वर के अनुग्रह की उसके वचन में से शिक्षा देना, उसके लिये प्रतिदिन परमेश्वर का धन्यवाद

करना, प्रार्थना के साथ विश्वास की ढाल को प्रयोग करना तथा प्रभु भोज के द्वारा नियमित रूप से पूर्ण क्षमा का आश्वासन प्राप्त करना।

[अगर आपने अभी तक नहीं पढ़ा कि परमेश्वर का वचन हमें अनुग्रह के बारे में क्या शिक्षा देता है, तो कृपया ध्यानपूर्वक रोमियो अध्याय 1 से 8 तथा इफिसियों अध्याय 1 तथा 2 पढ़ें।]

बुद्धिवादी विचारक अक्सर मना करते हैं, कि परमेश्वर एक अनुष्ठान के द्वारा हम तक अपनी अलौकिक अनुग्रह लाता है। परमेश्वर का अनुग्रह हमें कैसे प्राप्त होता है, को सिर्फ मानवीय तर्कशक्ति के द्वारा परिभाषित करने में क्या खतरा छिपा रहता है?

---

---

---

[अनुग्रह मानवीय तर्क से बहुत आगे जाता है। बिना बाईबल के रहस्यों के प्रकाश से सुचित हुए किसी भी धार्मिक नेता या दार्शनिक ने अनुग्रह की कल्पना नहीं की]

भौतिकवादी अनुग्रह को सांसारिक संपत्ति के रूप में परिभाषित करते हैं। एक बेहतर बाईबिल परिभाषा दें:

---

---

---

अपनी कलीसिया या छोटे समूह को संगठित करने की आपकी क्या योजनायें हैं, जिससे कि विश्वासी प्रेम में एक दूसरे की सेवा करें, जैसा परमेश्वर "एक दूसरे" के प्रति आज्ञाओं में चाहता है?

---

---

---

---

---

---

---

अपने समूह को इस तरह से संगठित करने की आपकी क्या योजनायें है, जो विश्वासियों को उनके आत्मिक वरदानों को उपयोग करने तथा सारे प्रबन्धनों का अभ्यास करने की अनुमति दें जो कि नया नियम चाहता है?

---

---

---

अपने तथा अपने द्वारा शिक्षित नए विश्वासियों के अपमानजनक नियंत्रण को परिहार करने की आपकी क्या योजनायें हैं?

---

---

---

---

---

---

---

## अध्याय 4

## विक्टर तथा लोरी ने आनंदपूर्ण आत्मिक स्वतन्त्रता कैसे खोजी

विक्टर लोरी और जूली, टीनो के साथ ट्रेन स्टेशन को गए। वो फिर से उन मिश्नरियों से भेंट करने के लिये जा रहा था जो कि उनकी कलसिया ने वहाँ भेजे थे जहाँ पर चर्च अभी तक कोई पुनरूत्पादन नहीं कर रहे थे। रास्ते में, टीनो ने विनती करी, "जब मैं गया हुआ हूँ तो कृपया मेरे समूह की सभाओं में उपस्थित रहें। उनको मर्गदर्शन करने में सहायता करें। उन भेड़ियों का ध्यान रखें जो मेरी अनुपस्थिति का लाभ उठा सकते हैं।"

"भेड़िये? विक्टर ने पूछा। तुम्हरा क्या मतलब है?"

"बड़े भूखे कुत्ते, बाघों की तरह कमज़ोर भेड़ों को ढूंढ़ते हैं। यीशु तथा प्रेरित पौलुस ने झूठे चरवाहों को 'भेड़िये' कहा क्योंकि वो अन्य चरवाहों की भेड़े चुराते थे।"

"मैं प्रसन्न हूँ कि उसने हमें चेताया," टीनो ने कहा, "मैं सोचता हूँ कि एक भेड़िया हमारे झुँड के आसपास अभी भी सूँघ रहा है। आर्थर का चचेरा भाई, शाजी, नए विश्वासियों को यह समझाने की कोशिश करता है कि हमारे समूह में वो ही एक व्यक्ति है जो असली आध्यात्मिक है।"

"फिर सचेत हो जाओ! शैतान के झूठ एक खमीर की तरह है जो गुँधे हुए आटे पर पूरी तरह फैल जाते हैं। यह झूठ अक्सर आध्यात्मिक लगते हैं तथा संदेह विहीन विश्वासियों में खसरा की तरह फैलते हैं। परमेश्वर हमारी उनको भाँपने में तथा उनका प्रतिरोध करने में सहायता करता है। वो हमें शैतान के जलते हुए तीरों को रोकने के लिये विश्वास की ढाल देता है, जैसे इफिसियों 6:16 समझाता है। इन तीरों में भौतिकवाद, बुद्धिवाद, व्यक्तिवाद घमंडी हठवादिता, मूर्तिपूजा, लालसा तथा कामुकता शामिल हैं। हमारे ऊपर लगभग प्रतिदिन उन सिद्धांतों की बमबारी की जाती है जो कि दानवों से उपजते हैं।"

"तुमने व्यक्तिवाद का ज़िक्र किया," विक्टर बोला। "वो कैसे अनुग्रह के बहाव को रोकता है?"

"तुम यह जान जाओगे, जब तुम विश्वासियों को 'एक दूसरे' के प्रति आज्ञाओं का गंभीरता से अभ्यास कराने में सहायता करोगे। शैतान परस्परता खत्म करने के लिये व्यक्तिवाद प्रस्थापित करने की कोशिश

करेगा। व्यक्तिवादी निजी विश्वास चाहते हैं। वे अपनी तरह से परमेश्वर की सेवा करते हैं। वे अक्सर एक प्रार्थना सभा के दौरान बैठ जाते हैं तथा जो वे सुनते हैं उसे एक स्पांज की तरह आत्मसात कर लेते हैं, महत्वपूर्ण गतिविधियों में सिर्फ हिस्सा न लेते हुए। वो अंतरंगता से जुड़े हुए, प्रेमपूर्ण समूहों का परिहार्य करते हैं। ऐसा अलगाव प्रेम की अपेक्षा करता है। जो कलीसियाये शैतान के व्यक्तिवाद का आलिंगन करती है वे नए नियम के एक दूसरे के प्रति आज्ञाओं के अभ्यास के लिये शायद ही कभी अच्छी तरह से संगठित होती हैं।

"घमंडी हठवादिता अनुग्रह को कैसे खत्म कर देती है?"

"घमंडी हठवादिता सिर्फ ज्ञान पर विश्वास खड़ा करने की कोशिश करती है" टीनो ने उत्तर दिया। "ज्ञान हमें घमंड से फुला देता है, जैसे 1 कुरिन्थियों 8:1 चलाता है। हमारी एक मात्र नीव यीशु है, वो चट्टान जिस पर बुद्धिमान व्यक्ति ने अपना घर बनाया था। बुद्धिमान व्यक्ति तथा मूर्ख व्यक्ति दोनों ने यीशु के शब्द सुने थे। उन दोनों में ज्ञान था। परन्तु सिर्फ बुद्धिमान व्यक्ति यीशु से उसकी बातों को मानने के लिये इतना प्रेम करता था। एक घमंडी हठवादी सिर्फ सिद्धांत की शिक्षा देने में संतुष्ट रहता है। वो अपने ऊँचे ज्ञान पर बहुत अधिक भरोसा करता है तथा अन्य कार्यों की उपेक्षा करता है जो यीशु चाहता है।"

जूली और कहती है, "कुछ घमंडी शिक्षक सिर्फ आपके सिर में एक छेद करते हैं, उसमें एक कुप्पी घुसाते हैं तथा आपके मस्तिष्क में अपनी राय डालते हैं ! सौभाग्यवश, नए युवा विश्वासियों में से कई ऐसे निष्क्रिय श्रोता नहीं बनना चाहते। याकूब 1:22 उसके विरोध में चेताता है। जब वे सीख लेते हैं तब वे क्रियात्मक परिचर्या के साथ परस्परता दिखाना चाहते हैं। वे बाईबल के कथनों को सोचने की स्वतन्त्रता चाहते हैं, तथा पवित्र आत्मा को सारी सच्चाई में उनकी अगुआई करने देना चाहते हैं ना कि हठवादी व्यक्तियों की रायों को बिना विचारे स्वीकार करना। वो सिर्फ सीखना ही नहीं चाहते, परन्तु जो परमेश्वर कहता है उसे करना भी चाहते हैं।"

"क्या हठवादिता हमेशा गलत होती है?" विक्टर ने पूछा, "क्या यह चरवाहों के लिये खतरनाक नहीं है कि अपनी भेड़ों को जहाँ वो चाहे भटकने देना?"

"निस्संदेह। सारे विश्वासियों को मार्गदर्शन की आत्मश्कता है," टीनो ने उत्तर दिया। "पर हम चरवाहों को बाईबल के कहे अनुसार उनकी देखभाल करनी चाहिये।

"वो कैसे?"

"अपने लिये सोचकर सीखने में कि कैसे परमेश्वर के मुक्तिदायक वचन को लागू करें, एक अच्छा चरवाहक विश्वासियों को परिपक्व बनाने में सहायता करता है। नहीं तो हमारे संसार के मूर्तिपूजक उनके मस्तिष्कों पर व्यर्थ के दर्शनों तथा दासता में जकड़ने वाले झूठे भगवानों द्वारा कब्ज़ा कर लेगें। घमंडी हठवादी कभी कभी यह सोच लेते हैं कि परमेश्वर का अनुग्रह सिर्फ अधिक अध्ययन के द्वारा ही प्राप्त होगा। फिर, जो वह दूसरों को विश्वास करने के लिए कहते हैं वो उनके संकीर्ण विचारों द्वारा आता है।"

"मैं युवा पीढ़ी की हूँ," लोरी ने उत्तर दिया। "मैं अन्य मसीहियों के साथ गतिशील संबंधों का आनंद लेना चाहती हूँ तथा मैं आशा करती हूँ कि हमारे चरवाहे ऐसा होने देगें।"

"परन्तु हम यह किस प्रकार होने देते हैं?" विक्टर ने पूछा। "हम दूसरों को एक दूसरे के साथ अधिक सक्रियता से हिस्सा लेने में कैसे सहायता कर सकते हैं, जैसे जैसे वो परमेश्वर के वचन का पालन करना सीखते हैं?"

"तुम उनसे बाईबल की कहानियाँ पढ़ने या बताने के लिये कह सकते हो," टीनो ने सुझाव दिया। "तथा फिर इसपर चर्चा करो कि कहानी परमेश्वर के बारे में क्या शिक्षा देती है तथा हमें उसके विषय में क्या करना चाहिये। पात्र अभिनय का उपयोग करे तथा कहानियों का संक्षेप में नाटकीकरण करें। जो आप उन्हें सिखाना

चाहते हैं उसे स्पष्ट करें उनसे प्रश्न पूछें जो परमेश्वर और उसके कार्यों पर उनको मनन करने में सहायता करें। उनको प्रोत्साहन तथा प्रशंसा की कवितायें या गीत लिखने दें। शिक्षा देने के लिये लोगों को एक साथ तैयार करें ना कि हर समय सिर्फ एक ही व्यक्ति को।"

"ओह!" लोरी चिल्लाई, "दूसरों को उन छोटे नाटक तैयार करने में मुझे प्रसन्नता होगी जो परमेश्वर के वचन की शिक्षा दे! क्या हम अदन की बाटिका के दृश्य का अभिनय कर सकते हैं? या रूत का?"

"तुम्हें रानी एस्तेर की भूमिका का अभिनय करते देखकर मुझे प्रसन्नता होगी, "विक्टर ने लोरी को बताया। मैं अपव्ययी पुत्र की भूमिका को आसानी से अभिनीत कर सकूँगा जिसने अपनी विरासत को खर्च कर दिया था जो उसके पिता ने उसे दी थी। मुझे ऐसे अपव्ययी कार्यों का काफ़ी अनुभव था, मसीह को जानने से पहले।"

"मैं मोटे ताज़े बछड़े की भूमिका का अभिनय कर सकता हूँ," टीनो हँसा। अपने पुत्र की वापसी को खुशी मनाने के लिये अपव्ययी पुत्र के पिता ने उसको मारा था। बड़ा भाई एक बेहतर इन्सान था, जैसा यीशु ने समझाया, परन्तु उसने अपने पिता का विरोध किया उस अनुग्रह के लिये जो उसने अपने बिगड़े हुए परन्तु पश्चातापी पुत्र के प्रति दर्शाया था। वो दाख की बारी में काम करने वाले उन कर्मठ सेवकों की तरह था जिन्होंने अपने मालिक का केवल दिन के कुछ भाग का काम करने वालों को समान भुगतान करने का विरोध किया था। अच्छे व्यक्ति अक्सर परमेश्वर के अनुग्रह का विरोध करते हैं जब वे अधिक बुरे पापियों को स्वतन्त्रता से क्षमा किये जाते हुए देखते हैं।"

"क्या प्राचीन हमें ऐसे रचनात्मक तरीके से शिक्षा देने देगें?" लोरी ने पूछा।

"लोरी प्रसन्नतापूर्ण तरीके से रचनात्मक है!" विक्टर ने समझाया। "वो पढ़ती भी बहुत है तथा उन कीमती वस्तुओं को स्मरण रखती है, जो उसे मिलती है।"

"अब हमें परमेश्वर के वचन को रचनात्मकता से सिखाने की स्वतन्त्रता है," टीनो ने उन्हें आश्वस्त किया। "हमने घमंडी हठवादिता के विरोध में अध्यात्मिक युद्ध लड़ा तथा जीत गए हैं। हमारे प्राचीन अब तुम्हारे जैसे विश्वासियों को परमेश्वर के वचन को स्वतंन्त्रा पूर्वक परिचर्चा करने से तथा परिणाम देने वाले किसी भी तरीके से सिखाने से हतोव्साहित नहीं करते।"

"बहुत अच्छा," लोरी चिल्लाई।

"तुमने हमें बताया था कि हठवादिता हमेशा गलत नहीं होती," विक्टर ने स्मरण कराया। "उसके लिये उपयुक्त समय कब है?"

टीनो ने स्पष्ट किया। "हमें हमेशा परमेश्वर के वचन पर आधारित धारणाओं की आवश्यकता होती है। हम परमेश्वर के वचन को घमंड में बहस करने या परमेश्वर का अनुग्रह अर्जित करने के लिये नहीं पढ़ते हैं, परन्तु हमारे द्वारा पहले से प्राप्त किये गए अनुग्रह की प्रशंसा करने के लिये करते हैं। हमें बुरी शिक्षा तथा बुरे प्रचार के विरोध में खड़े होने के लिये हठवादिता के अभ्यास की आवयश्कता है।"

"प्रचार करना कब बुरा होता है?" विक्टर ने पूछा।

टीनो ने समझाया, "कई बुरे शिक्षक तथा प्रचारक अपने सुनने वालों को ऐसा सोचते हैं, जैसे कि वे सभी बड़े कानों वाले गधे हो! वे चाहते हैं कि लोग सिर्फ बैठकर निष्क्रियता से उनका हठवादी भाषण सुनें। वे विश्वासियों को एक जीवित समूह में, एक दूसरे की सेवा करते हुए, आसपास के समुदायों में शैतान की उपस्थिति के प्रति सचेत करते हुए, भूखों को भोजन कराते तथा बीमारों को चंगा करते हुए नहीं देखते।"

"आहे, प्रिय परमेश्वर, हमें बचाओ।" लोरी ने आह भरी।

"उसने ऐसा कर दिया," जूली ने कहा।

विक्टर ने अपनी कापी की ओर देखा जिसमें वो टीनो द्वारा समझायी गई बातों को लिखता रहा था, "क्या कभी मैं इन सब बातों को सीख पाऊँगा?"

टीनो ने उसको आश्वस्त किया, "तुम तथा लोरी पहले से ही परमेश्वर तथा उसके अनुग्रह के बारे में उन लोगों से अधिक सीख गए हो जो कि चालीस सालों से विश्वासी है। विक्टर, तुम में अवश्य ही एक खोजी दिमाग है! तुम और किसी से अधिक प्रश्न पूछते हो जिन्हें मैं जानता हूँ।"

"बहुत अधिक?"

"अरे नहीं! तुम्हारी उत्सुकता तथा दूरदर्शिता भी परमेश्वर के अनुग्रह के वरदान हैं पवित्र आत्मा के कार्य।"

"पवित्र आत्मा हमें दूरदर्शिता कैसे देता है?"

"वो हमारे मस्तिष्क को प्रदीप्त कर देता है," टीनों ने समझाया, "जिससे कि हम परमेश्वर के वचन को अपने जीवन पर अपने मित्रों पर तथा अपने शत्रुओं पर लागू कर सकें। 2 कुरिन्थियों 4:4 कहता है कि शैतान, इस संसार का परमेश्वर, अविश्वासियों के मस्तिष्क को अंधा कर देता है। हम परमेश्वर के सत्य को अनुग्रह के चमत्कार के द्वारा जान सकते हैं जब हम मसीह पर विश्वास करते हैं। पवित्र आत्मा हमें अंदरुनी गवाही देता है; वो हमारा रहस्यपूर्ण तरीके से मार्गदर्शन करता है, जैसे कि हम रोमियो 8 में देखते हैं। वो हमें आश्वस्त करता है कि हम परमेश्वर के पुत्र हैं।"

"क्या आशीष है!" लोरी चिल्लाई।

विक्टर ने पूछा, "क्या पवित्र आत्मा हमारे मस्तिष्कों को प्रदीप्त करने में सिर्फ धर्मग्रन्थ का उपयोग करता है? क्या वो अन्य चीज़ों का उपयोग नहीं करता?"

"धर्मग्रन्थ हमारा अंतिम प्राधिकार है," टीनो ने उत्तर दिया "लेकिन भजन संहिता 19 तथा रोमियों 1 प्रकट करते हैं कि परमेश्वर हमें निर्देशित करने के लिये अन्य साधना का भी उपयोग करता है। इनमें प्रकृति, इतिहास, मित्र, अंत:करण, केन्द्रीकरण, उद्देश्यपूर्ण ध्यान, प्रार्थना, अनुभव तथा कभी-कभी स्वप्न सम्मिलित है।"

"मैंने यिर्मयाह 29 में पढ़ा था कि झूठे भविष्यद्वक्ता अपने स्वप्नों का प्रचार करते थे," विक्टर ने स्मरण दिलाया। "हम सत्य को असत्य शिक्षा में से कैसे पहचान पाते हैं?"

"असत्य शिक्षा हमेशा धर्मग्रन्थ का खंडन करती हैं या दुरूपयोग करती हैं," टीनों ने समझाया। "तथा वो हमारे प्रभु यीशु मसीह की महिमा भी नहीं करती है। वो अधिकतर एक व्यक्ति या एक संगठन की महिमा करती हैं या किसी तरह से शक्ति के भूखे धार्मिक निरंकुशों को सत्ता की स्थिति में रखती हैं।"

"मैंने जाना!" विक्टर ने कहा। "वो परमेश्वर के वचन का उपयोग करते हैं परन्तु पवित्र आत्मा की शक्ति में नहीं। हम यह कैसे जान सकते हैं, जब वो अपनी मानवीय शक्ति में उस प्रकार से शिक्षा देते हैं?"

''एक अन्य प्रकार की झूठी शिक्षा इससे भी अधिक धोखे का कारण बनती हैं, क्योंकि उसकी विषय वस्तु नहीं बल्कि उसका उद्देश्य झूठा होता है। उन घमंडी हठवादियों से सावधान रहें, जो अपने प्रचार या शिक्षा में परमेश्वर का वचन सिर्फ विषय वस्तु के रूप में उपयोग करते हैं। हमें भी, जो कि शिक्षक है, अपने समूह की गतिविधियों के मार्गदर्शन के लिए वचन का उपयोग करना चाहिये। हमें उसको अपनी गवाही में, प्रार्थना में, नए विश्वासियों की पुष्टि करने में, प्रबन्धन को संगठित करने में, याजकों को प्रशिक्षित करने में तथा मिश्नरियों को भेजने में मार्गदर्शन करने देना चाहिये। झूठे शिक्षक अक्सर अपनी शिक्षा की विषय- वस्तु के रूप में बाईबल का उपयोग सही तरीके से करते हैं, परन्तु वो यह अन्य गतिविधियाँ उन तरीकों से करते हैं, जो कि नए नयम के तरीके से बिल्कुल विपरीत हैं।''

''तुम्हारी ट्रेन जल्द ही चली जायेगी,'' विक्टर ने कहा, ''मैं इस समय की कद्र करता हूँ जो हम दोनों को साथ साथ बात करने के लिये मिला। इस से पहले कि तुम्हें ट्रेन पर चढ़ना पड़े, मेरे पास एक

अन्य प्रश्न है कि पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शन कैसे करता है? कैसे हम परमेश्वर की इच्छा को जान सकते हैं कि हमें क्या करना है?''

''कुछ मसीही सिर्फ आपनी भावनाओं तथा कौतूहलजनक अनुभवों के द्वारा मार्गदर्शन पाते हैं। अन्य सिर्फ धर्मग्रन्थ तथा उसके बारे में विश्वेषणात्मक शिक्षा के द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। अन्य सिर्फ आपनी कलीसिया के अन्य लोगों के द्वारा मार्गदर्शन पाते है तथा उन्हीं सच्चाईयों को गले लगाते हैं जो उनके मार्गदर्शकों को प्रसन्न करती हैं। हमें इन सभी तरीकों को संतुलित करना पड़ेगा। पवित्र आत्मा हमको इन शिक्षाप्रद अनुभवों का एकीकरण करने में सहायता करता है, जिससे कि वो हमारा मार्गदर्शन करने के लिये सभी तीनों का उपयोग कर सकें। वो हमारे अनुभवों तथा भावनाओं, तर्क तथा ज्ञान, विश्वासियों के प्रेमपूर्ण संगठन का उपयोग करता है। इस संतुलन के बिना एक कलीसिया अपने प्रबन्धन के एक पहलू पर बहुत अधिक ज़ोर देती हैं। शैतान हमेशा मसीह के संगठन के अच्छे संतुलन को नष्ट करने में प्रयासरत रहता है। लगभग हमेशा, एक कलीसिया की सबसे निर्बलता उसकी सबसे बड़ी शक्ति को अधिकता में ले जाने से होती है।''

विक्टर ने टिप्पणी करी, ''मेरा सबसे बड़ा संघर्ष अभी भी आर्थर तथा उसके अनुयायियों के साथ है। वो विश्वासियों के अंत: करण को उनको दोषी महसूस कराने के लिये परेशान करते हैं। फिर नए विश्वासी संदेह करते हैं कि उनको उनके पापों पर काबू पाने तथा दूसरें से प्रेम करने में क्या परेमश्वर उनकी सहायता करता हैं। उल्लू..... मेरा मतलब, आर्थर, अक्सर पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं को उद्धृत करता है कि कैसे परमेश्वर दंडित करता है। उसकी 'बांसुरी' में सिर्फ एक स्वर है।''

''आर्थर तथा उसके अनुयायी नए और पुराने नियमों में बहुत कम विभेदीकरण करते हैं,'' टीनो ने चेताया। ''वो लोगों को भ्रमित करता है। हमको कानून तथा अनुग्रह में अंतर पहचानना चाहिए। उन शिक्षकों से सावधान रहें, जो नई तथा पुरानी वाचाओं के मध्य विशाल अन्तर को देखने में असमर्थ हैं। यीशु की मृत्यु तथा पुनरूत्थान ने परमेश्वर के मानव-जाति के प्रति व्यवहार के तरीके को हमेशा के लिये बदल दिया हैं। परमेश्वर के लोग कानून से अनुग्रह के अधीन हो चुके हैं, जैसा रोमियों 6:14 स्पष्ट रूप से निश्चित करता है। विधिवादी पुराने नियम के कानूनों से चिपके रहते हैं। बुरे शिक्षक नियमों को गुणा कर देते हैं। वो सिर्फ प्राचीन इस्त्रएल पर लागू किये गए नियमों का उपयोग ही नहीं करते; वे मनुष्य-नियमों का आविष्कार तथा उनका भी पालन करते हैं।

''तुमने कहा कि पुराने नियम के कानून सिर्फ प्राचीन इस्त्रएल पर ही लागू होते थे,'' विक्टर ने टिप्पणी करी। ''क्या पुराने कानूनों में से कोई भी आज लागू नहीं होता?''

''यीशु तथा उसके प्रेरितों ने पुराने के कुछ कानूनों को नए नियम की कलीसिया में निर्देशतत्वों के रूप में दोहराया था। उदाहरण के लिये उन्होंनें पुरानी वाचा के आधार पर तैयार किये गई सभी दस आज्ञाओं की पुष्टि करी, सबत रखने की आज्ञा को छोड़कर। हम नए नियम के निर्देशतत्वों का पालन करते हैं क्योंकि अगर हम पुराने नियम में से कुछ का पालन करें तथा अन्यों को उपेक्षा करना चुनें तो हम परमेश्वर के लोगों को भ्रमित कर देंगें।''

''पुराने कानूनों में से कुछ कौन से हैं, जिनका हम आज (अब)पालन नहीं करते?''

''वो बहुत सारे थे। इससे पहले कि मैं सब का उल्लेख करू, ट्रेन चली जायेगी ।। मुझे उनमें से कुछ का स्मरण कराने दो। हम निम्नलिखित बातों में से किसी को नहीं करते जो पुराना नियम चाहता था:

खतनारहित लोगों को हमारे पवित्र शरणस्थलों में प्रवेश करने से रोकना।

उन बालकों का चाकू से वध करना जो अपने माता-पिता को श्राप देते थे।

व्याभिचारियों को पत्थरवाह करना।

मूर्तिपूजा करने वालो का वध करना।

सप्ताह के साँतवे दिन पर काम करने वालों का वध करना।

असत्य भविष्यवाणियाँ करने वालों का सिर काट देना।

लोगों को येरूशलेम के उत्सवों में सम्मिलित होने के लिए ज़ोर देना।

एक विवाहित पुरूष को उसके भाई की निस्संतान विधवा से विवाह करने के लिये ज़ोर देना।

हर साँतवे साल किसानों को उनके खेतों को बिना जुते पड़े रहने देने के लिये ज़ोर देना।

आपनी साप्ताहिक आराधना के लिये एक नर भेड़ का वध करना। आराधना के लिये सिर्फ येरूशलेम को यात्रा करना।''

''पुराने कानून कितने कठोर थे!'' लोरी ने टीकाकारी करी।

''वो बहुत क्रूरतापूर्ण थे!'' टीनो ने सहमति दी। प्राचीन कानून का पत्र लोगों को दोषी ठहराता था तथा मृत्यु की ओर ले जाता था, जैसा 2 कुरिन्थियों 3:6 पुष्टि करता है।''

''क्यों?'' विक्टर ने पूछा, अपने कलम से लिखने को तैयार होते हुए। ''उस कानून का क्या उद्देश्य था जो परमेश्वर ने मूसा को दिया था?''

''प्राचीन कानून के तीन प्रमुख उद्देश्य थे:''

पहला, रोमियों 3:20 स्पष्ट करता है कि सबसे धर्मी परमेश्वर ने पुराना कानून दिया, जिससे कि लोग जान सकें कि वे पापी हैं। उसने पाप को उभारा तथा मानव जाति को मसीह के लिये तैयार किया, जैसा रोमियों अध्याय 3 तथा गलतियों अध्याय 3 प्रकट करते हैं।

दूसरा, गलातियों 3:24 के अनुसार पुराना कानून मसीह के आने के लिये परमेश्वर के लागों को तैयार करने वाला शिक्षक था।

तीसरा, पुराने कानून ने इस्त्रएयल के प्राचीन देश को शासन, स्थायित्व,आशा तथा आंनद दिया। भजन संहिता 119:127 में दाऊद ने कानून (व्यवस्था) के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया।

विक्टर ने कानून के ये उद्देश्य लिख लिए जिससे कि बाद में वह उनका समन्वेषण कर सके। टीनो ने युवा जोड़े को आश्वस्त किया, ''परमेश्वर ने कानून के द्वारा वे मानव जाति का पाप प्रकट किया, तथा अपने अनुग्रह के द्वारा वो हमारे पाप को क्षमा करता है तथा हमें अनन्त जीवन देता है। हम अब अनुग्रह की एक नई वाचा में हिस्सा लेते हैं, जिसकी यिर्मयाह 31:31 ने यीशु के जन्म से सैकड़ों साल पहले भविष्यवाणी की थी। यिर्मयाह के द्वारा परमेश्वर ने पुराने यह प्रकट कराया कि पुरानी, अस्थाई वाचा एक नई वाचा से बदली जायेगी जिस में परमेश्वर के कानून पत्थर की बजाए हमारे दिलों में लिखे जायेंगें।''

विक्टर ने पूछा, 'नए नियम में यीशु और उसके प्रेरित कहाँ पर कहते हैं कि पुराना नियम अब हम पर लागू नहीं होता?''

टीनो ने बाईबल के उन पदों को देखा जो बताते हैं कि पुराना नियम अब प्रभावी नहीं हैं। विक्टर ने लिखा:

अब पुराने नियम का समस्त कानून प्रेम के कानून में परिपूर्ण हो गया है, जो कि आत्मा का फल है, जो परमेश्वर सभी विश्वासियों को देता है, मत्ती 22:38-40; गलतियों 5:22-23।

अब हम व्यवस्था के आधीन नहीं, परन्तु अनुग्रह के आधीन है, रोमियों 6:8-18।

व्यवस्था के द्वारा हमारा न्याय नहीं होता, परन्तु विश्वास से अनुग्रह के द्वारा होता है, गलतियों 2:16 से 3:24।

यीशु ने अपनी मृत्यु तथा पुनरूत्थान के द्वारा, सारी शैतानी आत्माओं पर विजय प्राप्त की, तथा विधि यों के लेख के द्वारा जो मृत्यु का आदेश हम पर था, उसे मिटा डाला, कुलुस्सियों 2:13-17।

नई वाचा का तेज जो कि अनन्त है, पुरानी वाचा के तेज से कहीं अधिक है, जिसमें परमेश्वर का अभिप्राय अस्थाई तथा घटने वाली था, 2 कुरिन्थियों 3:7-13।

''कितनी संतुष्टि हुई!'' लोरी चिल्लाई! ''अब मैं समझी कि आर्थर के पास हमको उसके कई नियमों को मनवाने का कोई आधार नहीं है।

''मेरी ट्रेन जल्द ही जायेगी। इससे पहले कि मैं जाँऊ, सुनो कि 2कुरिन्थियों 3:6-10 अनुग्रह की नई वाचा के विषय में क्या प्रकट करता हैं।'' उसने पढ़ा:

''परमेश्वर ने हमें नई वाचा के सेवक होने योग्य भी किया, शब्द के सेवक नहीं वरन आत्मा के; क्योंकि शब्द मारता है, पर आत्मा जिलाता है। और यदि मृत्यु की वह वाचा जिस के अक्षर पत्थरों पर खोदे गए थे, यहाँ तक तेजोमय हुई, कि मूसा के मुँह पर के तेज के कारण जो घटता भी जाता था, इस्राएल उसके मुँह पर दृष्टि नहीं कर सकते थे, तो आत्मा की वाचा और भी तेजोमय क्यों ना होगी? क्योंकि जब दोषी ठहराने वाली वाचा तेजोमय थी, तो धर्मी ठहराने वाली वाचा और भी तेजोमय क्यों ना होगी? और जो तेजो मय था, वह भी उस तेज के कारण जो उस से बढ़कर तेजोमय ना ठहरा। क्योंकि जब वह जो घटता जाता था तेजोमय था, तो वह जो स्थिर रहेगा, और भी तेजोमय क्यों ना होगा?

जब विक्टर और लोरी घर वापस आये तो उन्होंने उस अलिखित रूपरेखा का अध्ययन किया, जो टीनों ने उनके लिये बनाया था। वो पुराने नियम की आवश्यकताओं तथा नए नियम के बहुत भिन्न प्रावधानों की अनुरूपता में कई मूल भिन्नतायें दिखता था।

पुरानी तथा नई वाचाओं (नियमों) में तुलना:

क्रूस सारे इतिहास का विभाजन करती है। जब से मसीहा मरा तथा जी उठा, परमेश्वर हमको उन व्यवस्थाओं का पालन करने की कोशिश भी नहीं करने देना चाहता जो उसने प्रचीन इस्राएल को दीं थी परन्तु उसके पवित्र आत्मा की शक्ति के द्वारा जीवन बसर करने देना चाहता है। यह आलेख पुरानी वाचा में, जो व्यवस्था पर केन्द्रित थी, तथा नई वाचा में जो अनुग्रह पर अधिक केन्द्रित है, कुछ भिन्नतायें दिखाता है। युहन्ना 1:17 अभिव्यक्त करता है, ''इसलिये कि व्यवस्था तो मूसा के द्वारा दी गई; परन्तु अनुग्रह, और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा पहुँची।''

## पुरानी तथा नई वाचाओं ( नियमों ) में तुलना

क्रूस सारे इतिहास का विभाजन करती है। जब से मसीहा मरा तथा जी उठा, परमेश्वर हम को उन व्यवस्थाओं का पालन करने की कोशिश भी नहीं करने देना चाहता, जो उसने प्रचीन इस्राएल को दी थी, परन्तु उसके पवित्र आत्मा की शक्ति के द्वारा जीवन बसर करने देना चाहता है। यह आलेख पुरानी वाचा में जो व्यवस्था पर केन्द्रित थी, तथा नई वाचा में जो अनुग्रह पर अधिक केन्द्रित है, कुछ भिन्नतायें दिखता है,। यूहन्ना 1-17 अभिव्यक्त करता है, ''इसलिये कि व्यवस्था तो मूसा के द्वारा दी गई; परन्तु अनुग्रह, और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा पहुँची।''

| **पुरानी वाचा** (व्यवस्था) | | **नई वाचा** (अनुग्रह) |
|---|---|---|
| अस्थाई, यिर्मयाह 31: 31-32 इब्रानियों 8:13 | **अवधि** | अनन्त, इब्रानियों 9:15;10:10-14 |
| अस्थाई मूल्य के पशु बलिदान, इब्रानियों 9: 6-10;10:1-4,8 | **क्षमा के उपाय** | यीशु का एकमात्र बलिदान, सदा के लिये, इब्रानियों9: 10 -11;10:9-10 |

| | | |
|---|---|---|
| भौतिक, सांसारिक, अस्थाई, व्यवस्थाविवरण 30:15-20 | **पुरस्कार, दंड** | आत्मिक, दिव्य, अनन्त, इफिसियों 1:3; यूहन्ना 3:16; प्रकाशित वाक्य 20:13-15 |
| परमेश्वर के लोगों की समुद्र में से होकर दासता से मुक्ति, निर्गमन 14 | **श्रेष्ठ चमत्कार** | यीशु का पुनरूत्थान; हम उसमें उठाये जाने के द्वारा मृत्यु से मुक्त होते हैं, लूका 24, रेमियों 6:1-14; 1 कुरिन्थियों 15 |
| देह का खतना, उत्पत्ति17:10, व्यवस्थाविवरण 10:16 | **दीक्षा संस्कार** | बपतिस्मा ('हृदय का रखतना')मत्ती 28:18-20; रोमियो 2:29 |
| मुक्ति-दिवस फसह का मेम्ना, निर्गमन 12:1-15 | **स्तुति भोज** | यीशु की देह तथा लहू, लूका 22:19-20; यूहन्ना 6:25-68 |
| पुरानी व्यवस्था ने पाप को उभारा तथा दोषी ठहराया, रोमियो 3:19 -20 | **उद्देश्य** | नई वाचा में परमेश्वर पापों को क्षमा करके हमें मुक्ति देता है, कुलुस्सियों 2:11-17 |
| एक अस्थाई मंदिर में परदे के पीछे, निर्गमन 25:8-9,26; 40:35 लैव्यव्यवस्था 16:2 | **परमेश्वर की उपस्थिति** | परमेश्वर का आत्मा हमारे अन्दर सदा वास करता है, यूहन्ना 14:16-17; 1 कुरिन्थिों 3:16 |
| मूसा व्यवस्था देने वाला था;अन्य प्राचीन भविष्यद्वक्ता मूसा की व्यवस्था लागू करते थे, यूहन्ना 1:17; गिनती 12:6-8 | **सबसे महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता** | यीशु अनुग्रह तथा सच्चाई लाया, युहन्ना 1:1; 14-17; प्रेरितों के काम 3:22-26; कुलुस्सियोकं 1:15; इब्रानियों 1:1-4 |
| हारून्न महायाजक, जिसने पृथ्वी के सबसे पवित्र स्थान में सेवा करी, लैव्यत्वस्था 16:1-27 | **सबसे महत्वपूर्ण याजक** | यीशु, जो महिमा में हमारी मध्यस्थता करता है, इब्रानियों 4:14-16; 5:4-10; 9:1-14; यूहन्ना 14:2-3 |
| दाऊद ने जातियों पर विजय प्राप्त की, लैव्यव्यवस्था 20:23; 1 शमूएल 18:7; 1 शमूएल 7:8-16; व्यवस्थाविवरण 20:16-18 | **सबसे महत्वपूर्ण राजा** | यीशु, सारी चुनाहुई जातियों का प्रमुख, मत्ती 28:18-20; प्रेरितों के काम 1:8; फिसियों 5:23; प्रकाशितवाक्य 19:15-16 |
| विभाजन, हिसांत्मक आक्रमण, निर्गमन 6:6-7; 19:1-6; व्यव स्थाविवरण 2:31; 4:1-9 | **अन्य जातियों से व्यवहार** | मेल-मिलाप, सभी को अनुयायी बनना है, इफिसियों 1:4;2:12-22; 3:1-6; कुलुस्सियों 1:19-22; प्रकाशितवाक्य 7:9 |
| परमेश्वर को देखने या पास जाने का मतलब मृत्यु, न्यायियों 3:22; निर्गमन 19:12; लैल्यव्यवस्था 10:1-2; यशायाह 6:1-7 | **परमेश्वर की पवित्रता में प्रवेश** | यीशु की धार्मिकता हमें दी गई, रोमियों 5:18-19 |

| | | |
|---|---|---|
| कड़े दंड के मथ से ब्योरेवार व्यवस्था का पालन करना, व्यव स्थाविवरण 6:1-3; 28:15-26; निर्गमन 20:18-20 | **आचरण का आधार** | आत्मा में जीयें, प्रेम में पालन करें युहन्ना 14:15; रोमियों 13:8-10; 2 कुरिन्थियों 3:3-11; गलतीयों 5:5-6; मत्ती 22:37-40 |
| सप्ताह के सात्वे दिन, पुरानी सृष्टि का स्मरण करते हुए, निर्गमन 20:8-11; प्रकाशितवाक्य 21:1; लैव्यव्यवस्था 25:1-7 | **आराधना का सामान्य दिन** | प्ररितों के काम में कलीसियायें सप्ताह के पहले दिन मिलती थी; नई सृष्टि का स्मरण कराते हुए जो यीशु के स्मरण कराते हुए जो यीशु के पुनरूत्थान से आरंभ हुई थी। फिर भी, परमेश्वर ने हमें किसी भी दिन मिलने की स्वतंत्रता दी। लुका 24: 1-7; प्रेरितों के काम 20:7; इफिसियों 2:6; इब्रानियों 4:+-11; प्रकाशितवाक्य 21:1-4 |
| पशुओं के बलिदान तथाविधियाँ लैव्यव्यवस्था अध्याय1-7 तथा 23 | **आराधना कि विधि** | हम आत्मा तथा सच्चाई में आराध ना करते हैं, तथा विश्वासियों के साथ रोटी तोड़ते हैं, युहन्ना 4:24; प्रेरितों के काम 2:42 |
| स्वंयके प्रयास तथा विशेष नियम लैव्यव्यवस्थ 11; यशायाह 55:7 | **शुद्धिकरण** | अपने आत्मिक पुनर्जन्म तथा रूपांतरण के द्वारा हम आत्मा के फल का आनंद लेते हैं, रोमियों 14:1-9,17; 1 पतरस 1:3; 1 तीमुथियुस 4:3-5 |
| दस आज्ञायें, निर्गमन 20:1-17 | **आधारभूत आवश्यकताऐं** | पश्चातापी पापियों का यीशु में विश्वास, यूहन्ना 3:16; लूका 24:44-49. |
| विशेष नियम जीवन के हर पक्ष को निर्देशित करते थे निर्गमन 18:20; 24:3 | **मार्गदर्शन** | परमेश्वर का पवित्र आत्मा हमें प्रदीप्त करता है, इफिसियों 1:17-20, यूहन्ना 14:26; रोमियों 8:1-27 |
| नियम तथा स्वर्गदूतों द्वारा दर्शन गिनती 12:6; व्यवस्थाविव्रण 31:9 | **प्रमुख प्रकाश** | परमेश्वर देह बना, जीवित शब्द, यूहन्ना 1:1-3; इब्रानियों 1:1-3; 2:2-4 |
| मसीह के लिए तैयारी, गलतीयों 3:23-26 | **शिक्षा का उद्देश्य** | रूपांतरण, कलीसिया का नैतिक सुधार तथा प्रबंधनों के लिये विश्वासियों को मानसिक रूप से तैयार करना, रोमियों 8:23, 28-30; इफिसियों 4:11-12 |

न्यायियों के रूप में कठोर शासन, निर्गमन 18:24-26; मरकुस 15:1; प्रेरितें के काम 15:10
दशमांश देना (आय का 1/10) व्यवस्थाविवरण 12:11
भूमि, मानवीय संबंधियों कुटुम्बियों द्वारा रक्षा की गई, अस्थाई, उत्पपित्त 12:1-2; 17, व्यवस्थाविवरण 4:13-17

**उत्तराधिकार देने के लिये प्राचीनों का नियंत्रण मानक**

चरवाहों के रूप में दीनता से सेवा करना, तीतुस 1:5-9; 1पतरस 5:1-4; मत्ती 20:25-28
हृदय की इच्छा के अनुसार देना, प्रसन्नता से, 2कुरिन्थियों 9:-7; 1कुरिन्थियों 16:2
अजर मीरास, सर्व शक्तिशाली पवित्र आत्मा द्वारा विश्वस्त की गई,उत्पत्ति 12:3; इफिसियों 1:3-14; इब्रानियों 2:14-15; 1पतरस 1:3-5

टीनो के जाने के बाद की पहली सभा में, विक्टर अपने तथा टीनों, दोनों के समूहों के कुछ पूर्व सदस्यों को उनके मित्रों के साथ आये हुए देखकर चकित हुआ। वे आर्थर के समूह से जुड़ गए थे। उनमें से कुछ टीनो के समूह में कई सप्ताहों से सम्मिलित नहीं हुए थे।

''हम एक सेवा सम्बन्धी सभा करने जा रहे हैं,'' आर्थर ने घोषणा करी। ''हम अब इस समूह के लिये एक नए मार्गदर्शक को चुनेंगें। टीनो के मार्गदर्शन के अंर्तगत हम काफी भ्रमित हो चुके हैं। इसलिये मुझे एक नया समूह शुरू करना पड़ा। मैं उसको अब इसमें मिला रहा हूँ।''

आर्थर के साथ आए आदमियों में सें एक ने कहा, मेरा नाम शाजी है ''मैं अब इस समूह का हूँ। मैंने सुना है कि कैसे टीनो इस समूह का बिना अनुशासन के मार्गदर्शन करता था। वो विक्टर जैसे नए विश्वासियों को मनमानी करने देता था। हम कार्य करने के परमेश्वर के सच्चे तरीकों को बहाल करने आए हैं। मैं आर्थर का अपने का अपने नए मार्गदर्शक के लिये नामांकन करता हूँ।''

लोरी विक्टर फुस्फुसाई, "यह मुझे में डक की याद दिलाता है!"

विक्टर मुस्कुराया। उसने ध्यान दिया कि शाजी का मुँह असामान्य रूप से चौड़ा था। उसकी आवाज़ भी थोड़ी सी मेडंक की तरह लगती थी।

''महोदय!'' इश्मायल द्वढ़तापूर्वक बोला। ''हम आपको नहीं जानते। और अपने मार्गदर्शक टीनो की अनुपस्थिति में मैं चुनाव में हिस्सा लेने से इन्कार करता हूँ।''

आर्थर की आँखे सामान्य से ज्यादा बड़ी हो गई। उसने अपने होठों पर जीभ फिर श्शजी या तथा फिर गुर्राया, ''मैंने सोचा था कि मुझे तुम्हारा समर्थन मिलेगा, इश्मायल। हाँ!''

''मैं जानता हूँ तुम क्या करना चाहते हो, आर्थर,'' इश्मायल ने उत्तर दिया। ''तुमने और मैंने यह योजनाएं बनाई थी। उस समय मैं तुमसे सहमत था। तुम हमारे सारे समूहों पर नियंत्रण करना चाहते हो तुम विश्वासियों को दोषी महसुस कराते हो अगर वो तुम्हारे द्वारा माँगी गई धार्मिक बातो को नहीं करते हैं। तुम उन्हें भयभीत करते हो कि अगर वो तुम्हारी इच्छा के आगे नहीं झुके तो परमेश्वर उन्हें दंडित करेगा। तुम उन्हें अपराधबोध से धन देने के लिए कहते हो। तुम अपनी मनमानी करने के लिये लोगों में तिकड़म से भय का प्रयोग करते हो। तुमने ऐसा करना मेरे से सीखा है।'' वो रूका तथा अपनी आँख से एक आँसु पोछा। ''मैं उस बारे में अब बहुत शर्मिदा हूँ।''

''क्या ..... तुम्हें हो क्या गया है?'' आर्थर हकलाया, अपना मुँह खोलते तथा बन्द करते हुए।

''मैनें परमेश्वर की अनुग्रह की नदी में से ग्रहण किया है इश्मायल ने उत्तर दिया। सर्वशक्तिमान ने मेरी आत्मा को नवीनीकरण किया है। मैं अब तुम्हारी महलवकांक्षाओं में हिस्सेदार नहीं हूँ, आर्थर। परमेश्वर

ने अपने अनुग्रह के द्वारा मेरे व्यापार को आग से नष्ट कर दिया है। उसने मुझेको धन तथा लोगों पर नियंत्रण करने के बारे में सोचना छोड़ने पर विवश कर दिया है। मैं उस आग के लिये परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ! अब मैं हमारे प्रभु यीशु मसीह की सेवा कर सकता हूँ मैं उससे अपने पूरे हृदय तथ आत्मा के साथ प्रेम करता हूँ!''

''इस कमरे में बुरी आत्मायें हैं!'' शाजी बड़बड़ाया।

इश्मायल ने जारी रखा, ''मैं जानता हूँ तुम यहाँ क्यों आए हो, आर्थर! लगभग सभी विश्वासी अपने प्रारंमिक समूहों में वापस चले गए हैं जो कि तुम्हारे नए समूह से जुड़ गए हैं। उन्होंने जान लिया कि तुम एक भोड़िये हो। उन्होंने तुम को परमेश्वर के लोगों के दिमागों के ऊपर नियंत्रण पाने के लिये उनको विभाजित करते हुए तथा आलोचनाएं फैलाते हुए देखा है। तुमने अपने झुँड का नियंत्रण खो दिया है, इसलिये अब तुम हमारे वाले पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे हो। भेड़ों ने देखा कि तुम उनको प्रेम नहीं करते हो। तुम हमारे सारे समूहों पर नियंत्रण करने की अपनी योजना को समर्थन देने के लिये उनका उपयोग करते हो।"

"ईश्वर की निन्दा!" आर्थर ने टोका। "हाँ! ईश्वर की निन्दा! तुम्हें ऐसी बुराई नहीं कहनी चाहिये! इश्माएल, आग लगने से जो आधात तुमने पाया है उसने तुम्हें भावनात्मक रूप से अस्थिर बनाकर छोड़ा है! हाँ।"

"पिशाच!" शाजी चिल्लाया, ऊपर की ओर उछलते हुए। "पवित्र आत्मा ने पिशाचों को देखने के लिये मेरी आँखे खोल दी! इश्मायल और विक्टर उन्हें लाए थे। बाहर, शैतान! दूर! परमेश्वर के नाम में चले जाओ! मैं तुम्हें डाँटता हूँ। फौरन चले जाओ!" उसने अपने हाथों को लहराया, ऊपर नीचे उछलते हुए। उसका चेहरा उन्माद से ऐंठ गया था।

"कृप्या अपने आप को शांत करो, शाजी।" विक्टर ने विनती करी।

एकाएक शाजी अजीब सी आवाज़ में बोलने लगा, जो कि मेडंक की आवाज़ से भी ज़्यादा लग रही थी, "मैंने पिछली रात को इसका सपना देखा था! एक प्रेरित तथा एक भविष्यवक्ता के सपने को सुनो! मेरे द्वारा अनुभव किए गए रहस्यों को सुनो! मैंने सारी रात बिना सोचे ध्यान लगाया। सात पिशाचों ने उस आग में तेल फेंका जिसने इश्माएल की दुकान जलाई। टीनो इश्माएल और विक्टर पिशाचों की ओर भागे। उन्होंने उनके आगे सिर झुकाया। उन्होंने उनकी पूजा करी जब आग धधक रही थी। फिर पिशाचों ने उन तीनों विश्वासघातियों को पकड़ा और लपटों में फेंक दिया!"

"बहुत हुआ!" विक्टर ने दृढ़तापूर्वक कहा। "हम यहाँ अपने सपनों का प्रचार नहीं करते शाजी, जब तक की कोई सपना परमेश्वर के वचन के साथ सहमत ना हो तथा कलीसिया का नैतिक उद्धार करे। जो तुमने कहा वो विनाशकारक तथा घृणात्मक है। और कृप्या, मेडंक की तरह उछलना छोड़ो। वो सबका ध्यान बंटाता है।" कई लोग हँसे, जिससे की शाजी झटके से सच्चाई को और लौटता हुआ प्रवती हुआ। वो शांत हुआ तथा विक्टर ने आगे कहा, "हम अनुशासन पायेंगें। हम यहाँ पर आराधना करने तथा परमेश्वर का वचन सीखने के लिये है।" अनेक विश्वासियों ने प्रतिक्रिया करी, "आमीन!"

"धन्यवाद, विक्टर, अनुशासन बनाए रखने के लिये," आर्थर ने शांत भाव से प्रतिक्रिया करी। "अनुशासन को वरीयता देता हूँ। हाँ! ओह, हाँ! मेरे पास कहने के लिए कुछ ज़रूरी बात है। हमें यहाँ अपने समूह के लिये बेहतर नियमों की आवयश्कता है। मैं प्रस्ताव करता हूँ कि इन समूहों के मार्गदर्शन के लिये हम केवल दो प्राचीन चुनें, चार साल की अवीध के लिये। हाँ! वो टीनो तथा उसके सहायक प्राचीनों की जगह लेगें। वो अनुशासन रखने में असमर्थ रहे।"

"मैं प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।" शाजी चिल्लाया।

"वो लोकतंत्रीए हो सकता है," विक्टर ने विरोध किया। "फिर भी, ऐसे नियम आत्मा में हमारी

स्वतन्त्रता को नष्ट करते हैं। मुझे समझाने दो। फिर क्या हो अगर पवित्र आत्मा तीन से ज़्यादा लोगों को मर्गदर्शन देने के लिये याजकीय वरदान दे? तुम्हारा नियम उसको दो में सीमित कर देगा। क्या दूसरों का मार्गदर्शन करने के लिये परमेश्वर को आत्मिक वरदान सिर्फ चार साल के लिये होता है? क्या फिर वो उसे ले लेता है? ऐसे मानव निर्मित नियम लोगों को मार्गदर्शन की स्थितियों के उन स्थानों पर पहुँचा सकते हैं जो मसीह में हमारी स्वतन्त्रता को छीन लेगें। हम किन्हीं व्यक्तियों को चरवाहक प्राचीनों के रूप में सेवा करने देने के लिये स्वतंत्र है, अगर वो परमेश्वर के वचन की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। हम परमेश्वर की आवश्यकताओं को मानवी नियमों से बदलने के द्वारा खत्म नहीं करेंगे। हमें अपने समूहों में स्वतन्त्र है कि वर्तमान आवयश्कताओं तथा अवसरों के लिये हम अपनी कार्यविधियों में लोचता अपनाने की अनुमति दें। 2 कुरिन्थियों 3:17 हमें आश्वस्त करता है कि 'जहाँ कहीं प्रभु का आत्मा है, वहाँ स्वतन्त्रता है।"

"तुम टीनो जैसे प्रतीत होते हो!"आर्थर कटुता से चीख पड़ा।

"मैं ऐसी आशा करता हूँ! उसने अपनी अनुपस्थिति में इस समूह के मागदर्शन की सहायता करने के लिये कहा था, और मैं वैसा करूँगा। अब हम किसी और चीज़ के बारे में बात करने जा रहे हैं। हम "एक दूसरे के प्रति आज्ञाओं को अधिक प्रभावी तरीके से अभ्यास करने की योजना बनायेंगे, एक दूसरे की सेवा करने तथा आशीष देने के लिये।"

जूली चीखी, "ओह, परमेश्वर का धन्यवाद हो!"

आर्थर के माथे पर पसीने की बूँदे प्रकट हुई। वो खड़े खड़े समूह को ओर देखता रहा। उसने अपने होठों पर जीभ फेरी। उसकी बड़ी उल्लू जैसी आँखें कमरे में हर व्यक्ति की ओर तेज़ी से घूमी। फिर एकाएक वो बिना कुछ बोले कमरे से चला गया, शाजी तथा अन्य कुछ आगुन्तक जो आर्थर के साथ आये थे, उसके पीछे गए। फिर भी, अधिकतर आगुन्तक रूके तथा विक्टर ने बाईबल की एक कहानी के विषय में परिचर्चा की अगुआई करी, जिसे उनमें से कुछ ने अभिनीत किया। आगुन्तकों में से एक, चमकीलें रंगो को कपड़े पहने हुए महिला थी।

सभा की समाप्ति के बाद, लोरी ने धीमे से विक्टर को बताया, "मैं उसको पहचानती हूँ। वो उस पहली सभा में थी जहाँ मैं गई थी। वो चली गई थी जब समूह ने मसीह की उसके उत्कृष्ट अनुग्रह के लिये प्रशंसा करना आरम्भ किया था।"

वो महिला अन्य के चले जाने के बाद तक डटी रही, विक्टर तथा लोरी को छोड़कर "मेरा नाम जूड़ी है," उसने उन्हें बताया। "मुझे अच्छा लगा जो तुमने स्वतन्त्रता पाने के विषय में कहा, विक्टर। मैं स्वंय भी विश्वास के एक उन्नत स्तर तक पहुँच चुकी हूँ। मैं अब देखती हूँ जो बहुत कम लोग जान पाते हैं, कि परमेश्वर किसी भी एक धर्म से बहुत बड़ा है। हम जो चाहें विश्वास कर सकते हैं, जब तक हम गंभीर हैं। तुम्हारी सच्चाई तुम्हारे लिये हैं; मेरी सच्चाई मेरे लिये है। यह कितना स्वतन्त्र कर देने वाला है! बाईबल में वे सारे विवरण बहुत बाँधने वाले हैं।! तथा बाईबल में हिंसा है! वो कहती है कि हम यीशु के लहू से शुद्ध किये जाते हैं! कितना प्राचीन विचार है!"

लोरी ने उत्तर दिया, "जूडी, हम दृढ़ता से विश्वास करते हैं, कि यीशु के लहू ने हमारे पापों के लिये जुर्माना अदा किया।"

"यीशु की लाल रक्त कणिकाओं से मेरा क्या लेना देना है?"

विक्टर ने पूछा, "फिर क्या तुम अपने स्वंय का परमेश्वर गढ़ रही हो? यह मूर्तिपूजा है!"

"मैं मूर्तियों मे विश्वास नही करती, महोदया। बनाना तो दूर की बात है!"

"तुम उन्हें छेनी और पत्थर से नहीं बना रही हो, पर उसी तरह से तुम अपने परमेश्वर की शब्दों

के द्वारा ढलाई कर रही हो। तुम आध्यात्मिक संसार तथा परमेश्वर के बारे से अपने स्वंतत्र की घारणाओं का अविष्कार करती हो। विधर्मी मूर्तिपूजकों ने हमेशा से ऐसा किया है। तुम्हें परमेश्वर के अनुग्रह को प्राप्त करने की आवश्कता है तथा....."

"तुम मुझे अनुग्रह के बारे में बताओ?" उसने टोका। "मैं तुम्हें बताऊँगी! मैं अनुग्रह के बारे में तुम से ज़्यादा जानती हूँ, महोदय मैं परमेश्वर के बारे में तुम्हारे प्राचीन सिद्धांत को अस्वीकार करती हूँ। एक स्नेही परमेश्वर इस तरह से लोगों को दंडित नहीं करेगा! मुक्ति सर्वव्यापी है।"

लोरी ने उत्तर दिया, "इफिसियों 1:7 कहता है कि हमको मुक्ति यीशु के लहू के द्वारा मिलती है। मैं भी परमेश्वर का न्याय नही समझ पाई थी जूडी, जब तक हमने उसकी असीम पवित्रता का अध्ययन नहीं किया। परमेश्वर पूर्ण प्रेम तथा अच्छाई है। इसलिए उसको पाप को दंडित करना चाहिये वो अपने लोगों को सदा के लिए उसके साथ रहने देना चाहता है, परन्तु वो पूर्णत: से पवित्र है तथा उसकी उपस्थिति में पाप के प्रवेश की अनुमति नहीं दे सकता। अगर उसने ऐसा किया तो स्वर्ग नरक बन जायेगा।"

"नरक? तुम नरक की बात करती हो? महोदया, अगर परमेश्वर इतने क्रोध से दंडित करता है, तो फिर वो अनुग्रह का परमेश्वर नहीं है!"

लोरी ने विक्टर की ओर देखा, अपनी आँखों से याचना करते हुए उसे उत्तर देने के लिये कहते हुए। उसने वो स्मरण किया जो टीनो ने उसे परमेश्वर के न्याय क बारे में बताया था। "हम परमेश्वर के अनुग्रह की कद्र नहीं कर सकते जब तक हम उसे पाप, दंड, लहू का बलिदान तथा पूर्ण न्याय की पृष्ठभूमि के विरोध में ना देखें। नरक सही न्याय की जगह है। परमेश्वर का न्याय पूरी तरह से खरा होगा, नहीं तो उसका परमेश्वर होना समाप्त हो जायेगा। स्वर्ग अनुग्रह तथा दया की जगह हो जायेगा। अगर हम यीशु के दुखदाई बलिदान तथा मृत्यु की कद्र नहीं करते हैं, तो हम परमेश्वर के अनुग्रह की कद्र नहीं कर सकते।"

जूडी ऐसी प्रतीत होती थी जैसे कि उसका दिमाग बहुत दूर हो वो सुन नहीं रही थी, परन्तु वो नम्र थी तथा उसने टोका नहीं। विक्टर जारी रखता है, "कृपया सुनो, जूडी! सोचो कैसे यीशु मसीह ने क्रूस पर तुम्हारे लिये दुख उठाया था; जिससे कि तुम्हारे पाप क्षमा किये जाए। फिर तुम उससे इतना उत्साहपूर्वक प्रेम करोंगी कि उसको छोटे से भगवान से परिवर्तित करने के बारे में कभी नहीं सोचोगी, जिसकी लोग अपनी कल्पनाओं के अनुरूप ढलाई कर लेते हैं।"

लोरी ने विनती करी, "कृपया हमें अपने से भेंट करने दो तथा इन बातों को में हमको मदद करने दो। क्या तुम ऐसा करोगी?"

"मैं सोचती हूँ नहीं! मैं देखती हूँ कि उन्होंने तुम दोनों की बुद्धि पलट दी है! मैं परमेश्वर का धन्यवाद करती हूँ कि मैंने हर प्रकार के धर्ममत से स्वतंत्र रहते हुए अपनी राह बनाई। शुभ शात्रि। चाय के लिये धन्यवाद।"

वो चली गई तथा लोरी एक कुर्सी पर लुढ़क गई। काफी देर के मौन के पश्चात्, लोरी ने आह भरते हुए कहा, "जब मैं उसके पास में खड़ी थी तो मुझे मारीजुआना की गंध आई।"

"मैंने उसके हाथ पर सुई चुभाने के निशान भी देखे," विक्टर ने जोड़ा! "वो नशीली वस्तुओं का उपयोग करती है। जो अपनी धारणायें ठोस सत्य के ऊपर बनाने से इन्कार करते हैं, वो जल्द ही मिथ्या धर्मों के शिकार हो जाते हैं। जूल अपने स्वंय के अविश्वास की कैदी है।"

"उसने कहा कि लोग जो भी चाहते हैं उसपर विश्वास कर सकते हैं!"

"जो लोग उसके जैसा सोचते है वे अपने आप को धर्मग्रन्थ की सच्चाईयों तथा तथ्यों से बचाते है। वे अपने आसपास एक खोल बना लेते हैं। जूडी का खोल किसी भी मसीही मत से ज़्यादा बाँध देने वाला है। वो अपने आप को अपने छोटे से सपनों के संसार में बन्द कर लेती हैं। उसने कहाँ कि वो स्वतन्त्र

है, परन्तु लोग स्वतन्त्र नहीं है जबतक वो उस प्रकार के प्रेम से प्रेम ना करें जो कि सिर्फ परमेश्वर का अनुग्रह लाता है।"

उन्होंने जूडी के लिये प्रार्थना करी। फिर घर आते हुए, लोरी ने विक्टर को बताया, "तुम हर समय टीनो जैसे प्रतीत होने लगे हो! तुम्हारा क्या तात्पर्य था जब तुमने कहा कि लोग स्वतंत्र नहीं है जब तक वो प्रेम नही करते?"

"टीनो ने मुझे समझाया था। पापी व्यक्ति हर वो चीज़ नहीं कर सकते जो वो चाहते हैं, क्योंकि वे बुरी चीज़ें करना चाहते हैं। पुलिस, समाज, अंतकरण तथा परमेश्वर उनको रोक देगें। केवल पूर्ण स्नेही व्यक्तियों को स्वतंत्रता से उनकी मर्ज़ी के अनुसार करने की अनुमति दी जा सकती है, क्योंकि वे हमेशा अच्छा करना चाहते हैं। यीशु ने कहा था, कि अपने पड़ोसी से प्रेम रखना, सारी व्यवस्था को पूरा करे देता है!"

"मैं अब समझ गई, विक्टर। जो लोग प्रेम करते हैं, वे अपनी मर्ज़ी से करने के लिये स्वतन्त्र हैं क्योंकि उनकी मर्ज़ी दूसरों की भलाई के लिये होती है। ओह! मैं देख सकती हूँ वो कैसे होगा! पुनरूत्थान में, सारे पारलौकिक जीवन में, हमारे पास कोई पाप नहीं होगा। हम परमेश्वर तथा एक दूसरे से इतना अधिक प्रेम करेंगे, कि आखिरकार हम अपनी मर्ज़ी करने के लिये पूर्णत्या स्वतन्त्र हो जायेंगे। परमेश्वर की महिमा हो!"

जब टीनो अपनी यात्रा से वापस आया तो उसने विक्टर को बधाई दी, "इश्माएल ने मुझे बताया कि कैसे तुमने अनुशासन बनाए रखा जब आर्थर तथा उसके सहायक समूह पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे। धन्यवाद! अन्यों ने भी मुझे बताया कि तुम तथा लोरी उनके लिये एक वरदान जैसे थे। तुम्हारे नए समूह ने दो और नए समूह शुरू कर दिये हैं, और तुम उनके नए मार्गदर्शकों को परार्मश दे रहे हों। हमारे प्रभु यीशु की प्रशंसा हो!"

"मैं तो सिर्फ वो कर रहा हूँ जो तुमने मेरे लिये किया। मैं तुम्हारी नकल कर रहा हूँ, टीनो। इस तरह से यह आसान है। बहुत आसान!"

लोरी बोली, "ओह! परमेश्वर का अनुग्रह कैसे बह रहा है! परिवार से परिवार तथा मित्र से मित्र तक! ओह; चलो हम उसकी प्रशंसा करें।"

"परमेश्वर का अनुग्रह कई स्थानों में बह रहा है, "टीनो ने सूचना दी। "हमारे मिश्नरियों ने समूह शुरू कर दिये हैं जो अब तेज़ी से पुनरूत्पादन कर रहे हैं। वे साहस के साथ शैतान के क्षेत्र में धावा बोल रहे हैं! उनके साथ भी विधिवाद के वे ही संधर्ष हैं जो यहाँ हमारे साथ है। फिर भी जहाँ कहीं भी मसीह में विश्वासियों ने अनुग्रह तथा शक्ति के लिये उसका नाम पुकारा, पवित्र आत्मा दिखा देता है, कि सर्वशक्तिमान शैतान तथा उसकी दृष्ट आत्माओं से अधिक शक्तिशाली हैं।"

लोरी रोने लगी।

"क्या परेशानी है?" विक्टर ने पूछा।

"कितने सारे लोग इस महान आशीष को नहीं जानते! मैं परमेश्वर के उत्कृष्ट अनुग्रह के बारे में एक कविता लिखना चाहती हूँ, जिससे कि दूसरे उसे पढ़ें तथा हमारे साथ प्रसन्न हों। पर मैं कविता लिखने में दक्ष नहीं हूँ। मुझे शब्दों की तुक मिलाने में कठिनाई होती है।"

"लोरी" टीनो ने धीरे से कहा। "कृपया कविता लिख दो। शब्दों में तुक मिलाना आवश्यक नहीं है ऐसा कोई नियम नहीं है, जो विचारों को स्वतन्त्रता से बहने से रोके श्स्त्रीय कविता के प्रतिबंधों की चिन्ता मत करो। केवल वह लिख दो, जो प्रभु तुम्हें देता है।"

"क्या मैं सच मैं ऐसा करूँ?" उसने विक्टर की ओर देखा। "क्या तुम सही धर्मशास्त्र को लिखने में मेरी सहायता करोगे?" कुछ दिन पश्चात्

लोरी, टीनो, जूली तथा इश्माएल से मिले। लोरी कुछ पढ़ कर सुनाना चाहती है, विक्टर ने घोषणा करी। उसने शर्माते हुए शुरू किया। उसकी मृदु आवाज़ घबराहट से काँपने लगी:

## पुराने अजगर की, परमेश्वर की नई सृष्टि से लड़ाई

परमेश्वर का मुक्तिदायक अनुग्रह हिमालय से भी ऊँची भूमि से नीचे को बहता है,
एक नदी जो गंगा अमेज़न यैन्गास तथा नील के संयोजन से भी बड़ी है!
वो सारी रूकावटों की दीवारों को तोड़ती है वे पृथ्वी की हर भूमि पर पहुँचती है!
ओह, मुझे उसकी चंगाई दायक, जीवनदायक, सर्व क्षमा की बाढ़ को चखने दो!

शुरू में पृथ्वी की निर्बल परत उसके अत्यधिक भार को संभाल नहीं सकी।
उसकी पवित्रता मर जाएगी यदि वह पापी मानव हृदयों को छूने से वो कलंकित हुई,
जहाँ बुरी आत्मायें अपना दुर्गधपूर्ण आत्मा नाशी किचड़ फैलाती हैं।
जब आदम गिरा, नरक के सैनिको ने एक गंदा विजयी गान गाया!

फिर परमेश्वर की दृढ़ प्रतिज्ञा ज़ोर से सुनाई दी, "अजगर ने पृथ्वी और मानव दोनों को गंदा किया
उसका शिकार पुरूष, स्त्री से जन्मा हुआ, अजगर के सिर को कुचलेगा!"
पिशाच हँसे, "पाप ने सब मनुष्यों को गंदा किया, सो कोई मनुष्य परमेश्वर के श्राप से नहीं बचेगा!
हमको सिर्फ किसी का पाप दिखाना है, और वो तुरन्त मृत धूल बन जायेगा!"

विस्मय में स्वर्गदूतों ने सर्वोच्च को सुना, पिता परमेश्वर, परमेश्वर पुत्र को आदेश देता है,
"जाओ, एक नहर बनाओ! हमारे ऊँचे सिंहासन से मानव जाति की ओर अनुग्रह बहने दो।"
दुष्टों ने हँसी उड़ाई "पृथ्वी की पतली परत बहुत कमज़ोर है, तथा कभी भी इतनी शक्तिशाली नीवं नहीं दे सकती,
उस नदी का पानी बहुत भारी है!"

परमेश्वर अपने पुत्र से बोला, "जाओ मानवी देह में पृथ्वी पर चलो फिरो, चाहे वो निर्बल ही हो मानव जाति के दुख दर्द में हिस्सा लो! जाओ पाप के कड़वे आप को चखो!
सारी बाधाओं को पिधलाने वाले लहू से उन रास्तों को पानी में बहने देने के लिये खोलो नीचे, पृथ्वी पर हर उस इन्सान को मुक्त करने के लिये जो जीता है, जिया था या जियेगा!"

पिशाचों ने दाँत निपोरते हुए विचित्र उठवाहस किया, परमेश्वर के आदेश की अवज्ञा करते हुए।
सर्वश्रेष्ठ देवदूत देखते हैं, विस्मित होकर पूछते हैं, "यह सच कैसे हो सकता है?
एकमात्र पवित्र कैसे इतनी शर्म ओर गंदगी को पास जाकर छू सकता है,
जिसे शैतान, मनुष्य के क्रूर शत्रु ने, धरती पर बोई है?"

विदोही आत्माओं ने शेखी मारी, मनुष्य के उद्धारकर्ता को कोशिश करने दो! परमेश्वर की पवित्रता रोकती है!
पाप करके मनुष्य ने हमें अपनी आत्मा का अनन्त भविष्य दे दिया है।
इसलिये दुष्टों को नहर की गहरी नीवें बनाने दो, कोशिश करो!
फिर हम प्रसन्नता पूर्वक ऐसी बेकार, इच्छापूर्ण योजनाओं को आसानी से बिगाड़ देगें!"

देखदूत चीखे, "समय तथा आकाश की ज़ंजीरें परमेश्वर के हाथों को नहीं रो सकती।
कोई अंधकार उसे अंधा नहीं करता, वो असीमित दूरी को पार कर सकता है।
क्योंकि अकेला वो ही हर जगह है, तथा हर समय! वो समय से बाहर वास करता है।
महान "मैं हूँ" समय तथा आकाश के किसी भी बिंद्ध में प्रवेश कर सकता है।"

इसलिये वो जिसने सारे संसार बनाये, देखे तथा छुपे हुए, नीचे पहुँचा
सृष्टि को समझने के लिये, आज्ञाकारी मरियम की कोख में जीवन फूँकते हुए
तथा उसके कुँवारेपन की रक्षा करते हुए, परमेश्वर तथा मनुष्य के पुत्र को धारण कराया।
फिर शैतान के सैनिक निर्बल परन्तु पवित्र बालक को मारने के लिए क्रूर युद्ध में व्यस्त हो गए।

नरक के पिशाच चीखे, "उसको मारो और चुभाओ तथा उसका लहू बहते हुए देखो!"
वो मर गया। पृथ्वी हिली तथा भयंकर गर्जन हुआ। वर्षा ने उसका लहू दूर तक बिखेर दिया।
अजगर के लालची पंजे, इतनी गलत तरह से अर्जित किया हुआ पुरस्कार कब्ज़ाने के लिए बढ़े।
योना की भूखी मछली की तरह, उसने यीशु की कच्ची, छिली हुई देह को सटक लिया।

घमंड में फूलकर अजगर ने शेखी हाँकी, "मैं जीत गया! मेरे साथियों, खुशियाँ मनाओ!
स्वर्गदूतों को हर मनुष्य के मरने पर मेरे खज़ाने को बढ़ते हुए देखने दो!
अब मृत्यु के सच की गहराई में मसीह मेरे हाथों में लाचार पड़ा है।
परमेश्वर ने हमें स्वर्ग में से निकाल दिया, पर अब हमने पूरा बदला ले लिया!"

नरक के अन्दर खुशी के नारे गूँजे। "परमेश्वर को वादा पूरा करना था!"
"उसे यीशु को मारना था। वह उद्धाकरर्त्ता मूर्ख ही था!
वह असफल रहा! परमेश्वर का नियम यह माँगता है पापी मनुष्य मरें।
हमारे दोष लगाने से उनकी कब्रो पर मोहर लगती है; जैसा स्वर्ग का नियम माँगता है।

हमारा प्रभु पूरे आराम में सबत के दिन तक लेटा रहा,
एकमात्र पुरूष, जिसने पूर्ण रूप से परमेश्वर की व्यवस्था मानी।
अजगर को घृणा के अंधेपन में प्रेम के ऐसे कार्य का पूर्वअभ्यास नहीं हुआ;
कि 'अंतिम आदम' का लहू सारी मनुष्य जाति के पाप धो देगा!

परमेश्वर के नए हफ्ते का पहला दिन आया और यीशु ने अजगर की पकड़ छोड़ी।
नरक के पिशाच हाँफे। पराजय! निराशा! लेकिन स्वर्गदूत आश्चर्य से चीखे,
"क्या खुशी है! जबकि भविष्यद्वक्ताओं, दाऊद तथा भजन संहिता ने पहले ही बता दिया
हमने देखा नहीं जो अब दिखा! स्वर्ग का समूह परमेश्वर की प्रशंसा करे!"

"मसीह को तो उठना था," सर्वोच्च न्यायी ने समझाया, "वो तो पवित्र है!
पाप के लिये मृत्यु का वो ही आदेश चाहता है कि सदाचारी जीवित रहें।
कोई सदाचारी व्यक्ति मरेगा नहीं, पर परमेश्वर के आनन्द में हमेशा जीयेगा!"
अजगर के तेज़ दोषारूपी दाँत बेगुनाह को कैद नहीं कर सके।

स्वर्गदूत प्रसन्न हुए जब यीशु मृत्यु के बंद द्वार को गिराकर जी उठा
और नूह की कश्ती की तरह, जिसने मनुष्य जाति को बचाया था, उसमे उठ गया
धरती के समय और आकाश से परे, जो बंदी विश्वास में मर गए थे
तथा वो सब भी जो मरने वाले हैं, मसीह के कार्य अनन्तता में फैले हैं।

अब पिशाचों के पास कोई शक्ति नहीं हैं, धोखे की शक्ति के सिवा।
जो व्यक्ति उन असत्यों पर विश्वास करते हैं, उनको वो सारी जहरीली कीचड़ पीयें
और बचे हुओं के लिये, परमेश्वर की नदी बहती है! जो भी प्यासे हों, स्वतन्त्रा से पीओ!
ओह! मसीह का प्रेम चखो! उसके हमेशा के अनुग्रह को गले लगाओ!

**अभ्यास**

परमेश्वर के अनुग्रह के बहाव को रोकने के लिये शैतान जिन चीज़ों का उपयोग करता है उन्हें चिन्हित करें:

व्यक्तिवादिता जो निजी विश्वास ढूँढ़ती है।

घमंडी हठवादिता जो दूसरों की राय सुनने से इन्कार करती है या शिक्षा के मसीही प्रबन्धन को सीमित करती हैं।

धर्मग्रन्थ के बजाए मनुष्यों की रीतियों का पालन।

उस तरह की शिक्षा जो लोगों को सिर्फ निष्क्रिय श्रोता बनाये।

मूर्तिपूजा, उस प्रकार की, जिसमें मनुष्य अपनी गंभीरता की सीमा तक मनमानी पर विश्वास करता है

सत्ता लोलुप मार्गदर्शक जो सिर्फ नियमों पर ज़ोर देते हैं तथा मार्गदर्शन के उत्तरदायित्वों में दूसरों की सहायता नहीं करते।

इस प्रकार का संगठन जो विश्वासियों को अपने विभिन्न आत्मिक वरदानों के साथ एक दूसरे की सेवा करने देने में सहायता करने में असमर्थ हो।

प्रेम के बजाए अन्य उद्देश्यों के लिये परमेश्वर की आज्ञाकारिता की माँग, जैसे भय या अस्वीकारिता की धमकी।

भौतिकतावाद, जो परमेश्वर का अनुग्रह व्यक्ति की संपत्ति से नापती है।

बुद्धिवाद, जो परमेश्वर के अभी अनुग्रह को हमारे तक अलौकिक रूप से आने का इन्कार करता है।

*(नरक के पिशाच लोगों के परमेश्वर के अनुग्रह पर भरोसे को निर्बल करने के लिए इन सारे हथियारों का प्रयोग करते हैं)*

पुरानी वाचा (पुराने नियम) के कानूनों (व्यवस्थाओं) का हम अब पालन क्यों नहीं करते हैं, सिवा उनके जो नए नियम में अभिपुष्ट किये गए हैं?

---

---

---

---

विश्वासियों के यह समझाने की सहायता के लिये आप नए नियम के कौन से पढों का उपयोग कर सकते हैं, कि मसीह ने अनुग्रह की पूर्ण वाचा स्थापित कर दी है जिसने व्यवस्था की वाचा की जगह ले ली है?

_____

_____

_____

किन्हीं नई योजनाओं की व्याख्या करें, जो परमेश्वर के अनुग्रह की नदी के रूप में प्रकाश तथा स्वतन्त्रता को अपनाने में लोगों की सहायता के लिये आपके पास हों:

_____

_____

_____

Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net